कार्तिक, पक्ष - कृष्ण, तिथि - द्वितीया, संवत 2082 पृष्ठ : 8 जयपुर, 08 अक्टूबर - 14 अक्टूबर, 2025 बुधवार वर्ष-11, अंक-32, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- jagrukjanta.net

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

करवा चौथ की हार्दिक शुभकामनाएँ

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net
JAGRUK CITY
जागरूक सिटी
02 जयपुर, बुधवार
8 अक्टूबर - 14 अक्टूबर 2025
/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

आज भी कोढ़ में खाज
राजधानी में ई-रिक्शा व्यवस्था

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के नाम पर जनता के साथ सिर्फ छलावा हो रहा है। राजधानी के बढ़ते दायरे के बीच पब्लिक ट्रांसपोर्ट ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रही है। सिटी बस सर्विस राजधानी के सभी क्षेत्रों को कवर नहीं कर पा रही है। ऐसे में ई-रिक्शा ही जनता के पास विकल्प बचता है।

हालांकि परिवहन विभाग पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बेहतर बनाने के लिए कई वर्षों से कवायद करता आ रहा है। इन कवायदों के तहत जिम्मेदारियां भी तय की गई। लेकिन समय गुजरता गया, किसी के सिर पर जूं तक नहीं रेंग रही। परिवहन विभाग द्वारा राजधानी में ईको-फ्रेंडली ई-रिक्शा का सपना जनता को दिखाया गया था। लेकिन, वह भी अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका। सार्वजनिक परिवहन साधनों की कमी के बावजूद विभाग ई-रिक्शा सेवा को व्यवस्थित नहीं कर पा रहा है। नतीजतन, यह सेवा लोगों के लिए सुविधा नहीं बल्कि दुविधा का कारण बन गई है। पांच साल से ई-रिक्शा को नियमन में लाने की बातें और प्रक्रियाएं चल रही हैं, लेकिन जमीन पर कुछ नहीं हुआ। ट्रैफिक कंट्रोल बोर्ड की बैठक में जोनवार विभाजन का निर्णय लेने के बाद भी विभाग ने इसे लागू नहीं किया। दिवाली से पहले जोनवार व्यवस्था लागू करनी थी, पर विभाग अब तक उसका सॉफ्टवेयर भी तैयार नहीं कर पाया। फिलहाल शहर में बेतरतीब ई-रिक्शा की संख्या लगातार बढ़ रही है। 40 हजार की सीमा तय होने के बावजूद जयपुर में अवैध रूप से हजारों ई-रिक्शा चल रहे हैं।

मुख्य मार्गों से हटने थे ई-रिक्शा

विभाग के प्लान के तहत शहर की मुख्य सड़कों पर सार्वजनिक परिवहन सेवा के ऑटो, कैब, मिनी बस और लो-फ्लोर बसों का ही संचालन किया जाना था।, वहीं, ई-रिक्शा का संचालन सेक्टर सड़कों पर किये जाने की बात विभाग द्वारा कही गई थी। आरटीओ की ओर से इसकी पालना के लिए उड़नदस्ते भी बनाए गए थे। साथ ही, नियम विरुद्ध संचालित वाहनों पर कार्रवाई होनी थी। लेकिन आज तक इन योजनाओं पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

राजधानी में सख्ती के चलते अन्य शहरों में रजिस्ट्रेशन

राजधानी जयपुर में रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया सख्त होने के कारण आसपास के शहरों में ई-रिक्शा का रजिस्ट्रेशन राजधानी के अलावा वहीं के स्थानीय लोग भी करवाकर राजधानी के दूरस्थ कॉलोनियों, सैक्टर रोड पर बेरोकटोक इनका संचालन कर रहे हैं। वहीं किराया भी मनमानी का ही वसूल रहे हैं।

प्रस्तावित जोनवार व्यवस्था

जोन 1 (जयपुर उत्तर, 9 थाना क्षेत्र) - गुलाबी कलर कोड, 8500 ई-रिक्शा।
जोन 2 (जयपुर पूर्व, 13 थाना क्षेत्र)- हल्का हरा कलर कोड, 7500 ई-रिक्शा।
जोन 3 (जयपुर सेंट्रल, 12 थाना क्षेत्र)-आसमानी कलर कोड, 7500 ई-रिक्शा।
जोन 4 (जयपुर दक्षिण, 7 थाना क्षेत्र) - केसरिया कलर कोड, 8500 ई-रिक्शा।
जोन 5 (जयपुर पश्चिम, 11 थाना क्षेत्र)-हल्का पीला कलर कोड, 7500 ई-रिक्शा।
जयपुर मेट्रो जोन - सफेद कलर कोड, 500 ई-रिक्शा।

रूट के लिए कलर कोड तय, संचालन नहीं

शहर में ई-रिक्शा संचालन को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने कलर कोड तय किए थे। लेकिन योजना बाद में खटाई में पड़ गई। जयपुर शहर के मुख्य मार्गों के अलावा परकोटा क्षेत्र में ई-रिक्शाओं की भरमार सर्वाधिक ट्रैफिक दबाव में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। बिना लाइसेंस भी सैंकड़ों की तादाद में शहर की सड़कों पर दौड़ रहे ई-रिक्शा से हर समय हादसों की आशंका भी बनी रहती है।

बिना फिटनेस और किराये पर चल रहे ई-रिक्शा

परिवहन विभाग की लापरवाही का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि फर्जी तरीके से एक ही व्यक्ति को 10 से अधिक ई-रिक्शा के रजिस्ट्रेशन जारी कर दिए गए। अब शहर में बिना फिटनेस और बिना वैध मालिकाना हक के ई-रिक्शा धड़ल्ले से चल रहे हैं। इनका खुलासा होने के बाद भी विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। परिवहन विभाग अब पहले चरण में करीब नौ हजार अनफिट ई रिक्शा को बाहर करने की तैयारी कर रहा है। इस संबंध में संयुक्त परिवहन अधिकारी जगदीश बैरवा से संपर्क करने पर उन्होंने कॉल नहीं उठाया और न ही मैसेज का जवाब दिया।

लक्ष्मी पूजन 20-21 को, 22 को गोवर्धन पूजा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। दीपावली पर्व इस साल भी असमंजस में है। पिछले वर्ष 2024 में भी 31 अक्टूबर और 1 नवंबर के बीच यही स्थिति बनी थी और अंततः अधिकांश लोगों ने 31 अक्टूबर की अमावस्या रात्रि में ही लक्ष्मी पूजन किया था। इस बार भी 20 और 21 अक्टूबर को लेकर दुविधा गहरी हो गई है। दरअसल, 20 अक्टूबर की दोपहर 3:45 बजे से ही अमावस्या की शुरुआत हो जाएगी और निशित काल (रात का वह मध्य भाग, जब चतुर्थ प्रहर की शुरुआत होती है) तक यह बनी रहेगी।

ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि दीपावली रात्रिकालीन पर्व है और स्थिर लग्न में प्रदोष व निशित काल के दौरान ही मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की आराधना की जाती है। ऐसे में 20 अक्टूबर की रात को ही दीपावली पूजन करना शास्त्रानुकूल माना जा रहा है। लेकिन दूसरी ओर 21 अक्टूबर को भी स्थिति पूरी तरह अलग नहीं है। इस दिन शाम 5:55 बजे तक अमावस्या तिथि रहेगी और यह उदयव्यापिनी तिथि होगी, जिसे शास्त्रसम्मत माना गया है। प्रदोष काल में अमावस्या स्पर्श करने के कारण 21 अक्टूबर को भी दीपावली मनाना उचित बताया जा रहा है।

शास्त्री ने बताया कि दीपावली पर्व का कर्मकाल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या पर प्रदोष काल (शाम के समय) में बताया गया है। धर्म सिंधु ग्रंथ के अनुसार यदि अमावस्या प्रदोष काल में दो दिन रहती है तो

दूसरे दिन सूर्योदय से शाम तक अमावस्या के दौरान प्रदोष काल में दीपोत्सव मनाने के साथ ही लक्ष्मी पूजन भी किया जा सकता है। इस बार अमावस्या 20 अक्टूबर को दोपहर 3:45 बजे से शुरू होकर 21 अक्टूबर की शाम 5:55 तक रहेगी। शास्त्र के अनुसार प्रदोष काल में अमावस्या तिथि हो उस दिन दीपावली मनाई जाती। 20 अक्टूबर को प्रदोषकाल में अमावस्या तिथि होने के कारण इस दिन दीपावली मनाई जाएगी। 21 अक्टूबर को सूर्योदय के समय अमावस्या तिथि होने के कारण देव पितृ कार्य होंगे। इस दिन कोई त्योहार नहीं मनाया जाएगा। 22 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा होगी। मंदिरों में अन्नकूट उत्सव मनाया जाएगा। 23 अक्टूबर को भाई दोज मनाई जाएगी।

पंचांग की गणना

- कार्तिक अमावस्या तिथिः 20 अक्टूबर दोपहर 3:45 से 21 अक्टूबर शाम 5:55 तक।
- निशित कालः 20 अक्टूबर की रात को ही रहेगा. उदयव्यापिनी तिथिः 21 अक्टूबर, जो शास्त्र सम्मत पूजन की ओर इशारा करती है।

6 दिन ऐसे रहेगा दीपोत्सव

- 18 अक्टूबरः धनतेरस
- 19 अक्टूबरः रूप चतुर्दशी
- 20 अक्टूबरः दीपावली
- 21 अक्टूबरः दीपावली
- 22 अक्टूबरः गोवर्धन
- 23 अक्टूबरः भाई दूज

पिछले साल भी ऐसा ही हुआ, 31 को मनी थी दीपावली

शास्त्री ने बताया कि वर्ष 2024 में भी 31 अक्टूबर दोपहर 3:52 बजे अमावस्या तिथि शुरू हुई थी, जो 1 नवंबर 2024 को शाम 6:16 बजे पर समाप्त हुई थी. अधिकांश लोगों ने 31 अक्टूबर को ही लक्ष्मी पूजन किया था, क्योंकि दीपावली का पर्व प्रदोष काल में मनाया जाता है, जिसमें सूर्यास्त के बाद अमावस्या तिथि होनी चाहिए। 31 अक्टूबर को अमावस्या प्रदोष काल में रही थी।

20 अक्टूबर को लक्ष्मी पूजा मुहूर्त

प्रदोष काल (लग्न) - शाम 05:49 - रात 08:13 तक
वृषभ काल (लग्न) - शाम 07:14 - रात 09:09 तक
सिंह लग्न - रात्रि 01:43 - 27:58 तक

21 अक्टूबर को लक्ष्मी पूजा मुहूर्त

प्रदोष काल (लग्न) - शाम 05:22 - रात 07:46 तक
वृषभ काल (लग्न) - शाम 06:48 - रात 08:43 तक
सिंह लग्न - रात्रि 01: 17 - 27:30 तक।

सीएम भजनलाल ने 128 ब्लू लाइन बसों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

राजस्थान रोडवेज में रेल-फ्लाइट की तरह सीट पर मिलेगा खाना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अमर जवान ज्योति पर राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की आधुनिक व सुविधायुक्त 128 ब्लू लाइन बसों का शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने 'आपणी बस-राजस्थान रोडवेज' ग्रामीण परिवहन सेवा का भी शुभारंभ किया। इसके अलावा वोल्वो, स्कैनिया और एसी बसों में कैटरिंग सुविधा की भी शुरूआत की। आधुनिक ब्लू लाइन बसें प्रदेश भर के 23 आगारों को आवंटित की गई हैं। राज्य सरकार ने रेल और हवाई यात्रा की तरह निगम की वोल्वो, स्कैनिया और एसी बसों में कैटरिंग सुविधा शुरू की है। इससे इन बसों में यात्रियों को यात्रा के दौरान उनकी सीट पर ही खाने-पीने की सामग्री उपलब्ध हो सकेगी। यात्रियों को सुबह, दोपहर और शाम के मेन्यू के अनुसार खाना मिल सकेगा।

169 ग्राम पंचायतों को मिलेगी परिवहन सुविधा

'आपणी बस-राजस्थान रोडवेज' ग्रामीण परिवहन सेवा के तहत रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर 357 मार्गों पर बसें शुरू की हैं। डीलक्स सीटों की इन बसों में राजस्थान रोडवेज के निशुल्क और रियायती यात्रा के लिए दिए जा रहे सभी लाभ मिलेंगे। इन बसों से 25 ग्रामीण मार्गों पर स्थित 169 ग्राम पंचायतों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं हासिल करने में मदद मिलेगी।

सीएम ने किया अवलोकन

मुख्यमंत्री शर्मा ने नई बसों का अवलोकन किया और निगम द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं के संबंध में जानकारी ली। कार्यक्र म में उप मुख्यमंत्री (परिवहन) डॉ. प्रेमचंद बैरवा, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम अध्यक्ष शुभ्रा सिंह आदि मौजूद थे।

क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान में पोषण माह आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। झोटवाड़ा रोड, बनीपार्क में स्थित महाराव शेखाजी क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थाजनमें 10वें आयुर्वेद दिवस-2025 के अंतर्गत दिनांक 12 सितम्बर से 11 अक्टूबर तक पोषण माह का आयोजन किया जा रहा है। पोषण माह के अंतर्गत बच्चों के पोषण हेतु विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जा रही है जिसमे विद्यालयों में बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने हेतु व्याख्यान देने के साथ हाथ धोने की प्रक्रिया समझाना, बच्चियों को मासिक धर्म से सम्बंधित स्वच्छता के लिए जागरूक करना, विद्यालयों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन एवं संस्थान में प्रतिदिन स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने हेतु संस्थान चिकित्सालय की ओपीडी में व्याख्यान देना शामिल है। संस्थान प्रभारी डॉ.बी. आर. मीणा ने जानकारी दी कि पोषण माह के अंतर्गतडॉ.किशोर आकाराम गवली, अनुसन्धान अधिकारी (आयु.), डॉ. मोनिका कुमारी अनुसन्धान अधिकारी (आयु.), डॉ.महेंद्र कुमार सबलानिया, एसआरएफ, डॉ. उमेश यादव, एस.आर.एफ. की टीम द्वारा जयपुर स्थित विभिन्न विद्यालयों में 17 सितम्बर को राजकीय प्राथमिक विद्यालय जे. पी. कॉलोनी, जयपुर में व 27 सितम्बर को फैज- ए- आम मदरसा, पुराना विद्याधर नगर में एवं 6 अक्टूबर को राजकीय प्राथमिक विद्यालय किशनबाग, नया खेड़ा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमे बच्चों को पुनर्नवा मंडूर, अरविन्दासव, च्यवनप्राश एवं द्राक्षावलेह आदि औषधियों का निःशुल्क वितरण किया। पोषण माह के अंतर्गत संस्थान द्वारा दिनांक 30 सितम्बर को एक वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमे डॉ. हेतल दवे, पूर्व प्रो.स्त्री प्रसूति विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुरके द्वारा स्त्री रोग से सम्बंधित एवं डॉ. ब्रह्म दत्त शर्मा, असिस्टेंट प्रोफ़ेसर, बालरोग विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा बच्चों में मोटापा विषय पर व्याख्यान देकर जागरूक किया।

"गीव अप" अभियान की अन्तिम तिथि 31 तक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग राजस्थान द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 2024 से "गीव अप" अभियान प्रारम्भ किया गया था। उक्त अभियान के अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा सूची की निष्कासन श्रेणी में सम्मिलित परिवार यथा ऐसे परिवार जिनमें कोई भी सदस्य सरकारी/ अर्द्धसरकारी/ स्वायत्तशाषी संस्थाओं में नियमित अधिकारी/कर्मचारी हो अथवा 1 लाख रूपये वार्षिक से अधिक पेंशन प्राप्त करता हो अथवा परिवार के समस्त सदस्यों की कुल वार्षिक आय 1 लाख रूपये से अधिक हो अथवा निजी चौपहिया वाहन धारक या आयकरदाता सम्मिलित है, को प्रेरित कर खाद्य सुरक्षा सूची से अपना नाम स्वेच्छा से पृथक करवाए जाने हेतु आवेदन करवाया जाना था। "गीव अप" अभियान की अन्तिम तिथि 30 अगस्त निर्धारित थी परन्तु अभियान की व्यापक सफलता एवं प्राप्त जनसमर्थन के कारण खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग राजस्थान द्वारा उक्त अभियान की तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ायी जाकर खाद्य सुरक्षा सूची में सम्मिलित अपात्र व्यक्तियों को अन्तिम अवसर प्रदान किया गया है ।

कांता फाउंडेशन ने की जन सेवा में बर्तन बैंक योजना प्रारंभ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सामाजिक सेवाओं से सरोकार रखने वाले कांता फाउंडेशन ने पर्यावरण की शुद्धता के लिए बर्तन बैंक शुरू कर एक अनुकरणीय पहल की है। विद्याधर नगर सेक्टर 2 में रहने वाले फाउंडेशन के अध्यक्ष जी एल खुराना ने बताया कि शादी विवाह जन्मदिन या अन्य कार्यक्रमों में भोजन के लिए पत्तल दोना के स्थान पर स्टील का बर्तन सेट मात्र 1 रुपए के शुल्क पर उपलब्ध कराने की योजना को धरातल पर उतारा है। बर्तन सेट में थाली कटोरी चम्मच एवं गिलास शामिल है। इसके अतिरिक्त जग, बाल्टी, चम्मच एवं तसला सब निशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं।

क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थासन में रक्तदान शिविर आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। झोटवाड़ा रोड, बनीपार्क में स्थित महाराव शेखाजी क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थाएन के चिकित्सालय में बीते दिनों विश्व रक्तदान दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस की इस वर्ष की थीम "Give Blood,Give Hope:Together We Save Lives"थी । संस्थाछन प्रभारी डॉ. बी.आर.मीणा के पर्यवेक्षण मेंरक्तदान शिविर के आयोजन हेतु एक समिति गठित की गई जिसमे डॉ.सुहास चौधरी, अनुसन्धान अधिकारी (आयु.)अध्यक्ष, डॉ.मोनिका कुमारी, अनुसन्धान अधिकारी (आयु.), संतोष कुमार शर्मा, सिस्टर इंचार्ज एवं रामावतार चौधरी,आर ए (क्यूरेटर) सदस्य रहे। संस्थान प्रभारी डॉ. बी.आर.मीणा ने जानकारी दी कि संस्थान में दिनांक 30 सितम्बर को निःशुल्क ब्लड ग्रुप जाँच शिविर का आयोजन किया गया जिसमे संस्थान चिकित्सालय में आने वाले रोगियों के ब्लड ग्रुप की संस्थान प्रयोगशाला में निःशुल्क जाँच की गई। 1 अक्टूबर को सवाई मानसिंह चिकित्सालय (एस एम एस हॉस्पिटल) की टीम की निगरानी में चिकित्सालय स्टाफ के साथ आम जनता के द्वारा भी रक्तदान किया गया। संस्थान मेंरक्तदान करनेवाले सदस्यों को अल्पाहार व ज्यूस की व्यवस्था भी की गई ।

विशाल रोज़गार मेले का होगा आयोजन

जयपुर @ जागरूक जनता। भारत सरकार, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत नेशनल कैरियर सर्विस सेंटर फॉर एस सी /एस टी , जयपुर की और से यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एन्ड मैनेजमेंट, उदयपुरिया मोड़, चौमू , जयपुर में 10 अक्टूबर को प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे तक विशाल रोज़गार मेले का आयोजन होगा। इस मेले में 30 से अधिक आईटी, आईटी एस, मैन्युफैक्चरिंग, होटल, हॉस्पिटल एंड बैंकिंग क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी। चयनित अभ्यर्तिओं को पे रोल आधार पर न्यूनतम वेतनमान के साथ रोज़गार मिलेगा। प्रवेश निशुल्क है और सभी योग्यता वाले विद्यार्थी भाग ले सकते है।

सहकार सदस्यता अभियान

आधार सीडिंग और ई-केवाईसी होने से मिलेंगी सम्मान निधि की अटकी हुई किश्तें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य में 2 से 15 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा 'सहकार सदस्यता अभियान' पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभ से वंचित किसानों के लिए सुनहरा अवसर साबित हो रहा है। अभियान के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों की आधार सीडिंग और ई-केवाईसी के कार्य आसानी से पूर्ण हो पा रहे हैं, जिससे उन्हें सुचारू रूप से सम्मान निधि की किश्तों का भुगतान हो सकेगा।

राज्य में पीएम किसान सम्मान निधि योजना के ऐसे 77.73 लाख लाभार्थी हैं, जिनका भूमि सत्यापन का कार्य पूर्ण हो चुका है। ये लाभार्थी योजना के अंतर्गत सम्मान निधि प्राप्त करने के लिए पात्र हैं। लेकिन इनमें से कई किसान ऐसे हैं , जिन्होंने अभी तक आधार सीडिंग व ई-केवाईसी नहीं करवाई है। उल्लेखनीय है कि सम्मान निधि की 15वीं किश्त से सभी लाभार्थियों के लिए आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी करवाना अनिवार्य कर दिया गया है एवं जिन किसानों ने अभी तक आधार सीडिंग व ई-केवाईसी नहीं करवाई है, उनकी सम्मान निधि की किश्तें अस्थायी रूप से रुकी हुई हैं। 'सहकार सदस्यता अभियान' के शिविरों में आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी के कार्य को एक प्रमुख गतिविधि के तौर पर शामिल किया गया है। इससे किसानों को बिना चक्कर लगाये एक ही स्थान पर यह सुविधा उपलब्ध हो रही है। पात्र किसान ई-मित्र, कॉमन सर्विस सेंटर या मोबाइल एप (PM Kisan GoI) के माध्यम से स्वयं के स्तर पर भी फेस रिकग्निशन के जरिए आधार सीडिंग करवा सकते हैं। इसके लिए केवल आधार कार्ड की आवश्यकता होती है। इसी प्रकार, ई-केवाईसी के लिए पटवारी या तहसील कार्यालय में भी सम्पर्क किया जा सकता है। फार्मर रजिस्ट्री बनवा चुके किसानों को ई-केवाईसी करवाने की आवश्यकता नहीं है। 'सहकार सदस्यता अभियान' के शिविरों में आधार सीडिंग और ई-केवाईसी का कार्य बिना किसी परेशानी के सम्पन्न हो रहा है। अब तक 16 हजार 376 किसानों की आधार

एसएमएस अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में अग्नि दुखांतिका

मृतकों के परिजनों को मिलेगी 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में रविवार देर रात हुई अग्नि दुखांतिका में प्रत्येक मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दुखद घटना ने हम सभी को व्यथित किया है। शोक की इस घड़ी में राज्य सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है और उन्हें हरसंभव मदद देने के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा ने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि भविष्य में इस तरह के हादसों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सभी पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। गौरतलब है कि सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में शार्ट सर्किट के चलते आईसीयू में आग लगने से जान-माल की हानि हुई है। घटना की सूचना मिलते ही रात को मुख्यमंत्री घटना स्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने उदयपुर में 35 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-शिलान्यास

उदयपुर दुनिया में प्रसिद्ध, यहां का सौम्य व्यवहार ही पर्यटन को बढ़ाएगा-खर्रा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प के साथ उदयपुर में विकास कार्यों का सुनहरा अध्याय लिखा जा रहा है। नगरीय विकास एवं आवासन, स्वायत्त शासन विभाग मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने अपने उदयपुर दौरे के दौरान सोमवार और मंगलवार को लगभग 35 करोड़ के विकास कार्यों और परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। मंत्री खर्रा ने उदयपुर शहर के दक्षिण विस्तार योजना में नवनिर्मित सामुदायिक केंद्र का लोकार्पण, उदयपुर विकास प्राधिकरण की 1109 भूखंडों की 3 नवीन आवासीय योजनाओं के शुभारंभ सहित विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। उन्होंने शहरी सेवा शिविरों में लाभार्थियों को पट्टा वितरण किया।

इस अवसर पर उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, समाजसेवी गजपाल सिंह राठौड़, रवींद्र श्रीमाली, पुष्कर तेली, संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, यूडीए आयुक्त राहुल जैन भी मौजूद रहे। उदयपुर जिले के दक्षिण विस्तार योजना में नवनिर्मित सामुदायिक केंद्र में आयोजित समारोह में मंत्री खर्रा ने कहा कि उदयपुर शहर पर्यटन के लिए दुनियाभर में मशहूर है। शहर का सुनियोजित विकास, साफ-सफाई, रोशनी और नागरिकों का सौम्य व्यवहार निश्चित रूप से पर्यटन को बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में शहरी और ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से अल्प आय वर्ग और मध्यम आय वर्ग के नागरिकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।

राइजिंग राजस्थान से आर्थिक उन्नति और रोजगार के नए अवसर

मंत्री खर्रा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के माध्यम से लगभग 35 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव पर हस्ताक्षर हुए। अब तक लगभग 5 लाख करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरकर काम शुरू हो चुका है। अक्टूबर माह के अंत तक लगभग 4-5 लाख करोड़ रूपये के अन्य निवेश प्रस्तावों पर भी धरातल पर काम शुरू हो जाएगा। इससे राजस्थान की आर्थिक उन्नति होगी, रोजगार के अवसर मिलेंगे।

राज्य में जल संकट से निपटने का बताया रोडमैप

मंत्री खर्रा ने कहा कि हमारे प्रदेश का बहुत बड़ा हिस्सा मरूस्थलीय होने से पानी की कमी और दूसरा बिजली का उत्पादन कम था। पिछले बीस माह में पेयजल और खेती के लिए जल की उपलब्धता के लिए काम किया गया है। पिछले साल दिसम्बर में राजस्थान के 17 जिलों के लिए माननीय प्रधानमंत्री के कर कमलों से राम जल सेतु परियोजना की शुरुआत हुई। वहीं, वर्षों से लंबित हरियाणा और राजस्थान सरकार के बीच यमुना जल समझौता होकर टास्क फोर्स का निर्माण हो चुका है।

नई दिल्ली में राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 का कर्टेन रेजर समारोह आयोजित

प्रदेश रेगिस्तान से सिलिकॉन और सॉफ्टवेयर की ओर बढ़ रहा है

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में राजस्थान सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। इसी कड़ी में आगामी 4-6 जनवरी, 2026 को राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 का जयपुर में आयोजन किया जाएगा। उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, युवा और खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान ऐसी जगह है जहां साहस, रचनात्मकता और मजबूती का पुराना इतिहास है। हमारा लक्ष्य अब तकनीक और सॉफ्टवेयर की ओर बढ़ना है। हमारी सरकार की नई नीतियां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के सपने को पूरा करने में योगदान दे रही हैं। कर्नल राठौड़ नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में आयोजित राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 के कर्टेन रेजर समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से उपस्थितजन को जयपुर में 4-6 जनवरी 2026 को होने वाले इस खास आयोजन में शामिल होने का आमंत्रण भी दिया। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने कहा कि यह समिट डिजिटल, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार राजस्थान के प्रदर्शन की दिशा में बड़ा कदम है। राजस्थान अपनी सांस्कृतिक विरासत और बढ़ते डिजिटल ढांचे के साथ तकनीक और विकास में अपनी खास पहचान बना रहा है।

क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थांन में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। झोटवाड़ा रोड, बनीपार्क, जयपुर में स्थित महाराव शेखाजी क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थापन में 14 सितम्बर से 30सितम्बर तक राजभाषा हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। हिंदी पखवाड़े का शुभारम्भ दिनांक 15 सितम्बर को संस्थान प्रभारी डॉ. बी आर मीणा द्वारा महानिदेशक सीसीआरएएस नई दिल्ली के सन्देश को पढ़कर एवं भगवान धन्वन्तरी की पूजा अर्चना के साथ किया गया। हिंदी पखवाड़ा आयोजन हेतु समिति का गठन किया गया। जिसमे डॉ.एस.के.वेदी अनुसन्धान अधिकारी (आयु.)-अध्यक्ष, डॉ. भुवनेश कुमार शर्मा अनुसन्धान अधिकारी (आयु.), राकेश कुमार मिश्रा सिस्टर इंचार्ज एवं ओम प्रकाश गुप्ता (सहायक अनुबंध) सदस्य रहे।

समिति द्वारा राजभाषा हिंदी पखवाड़ा के दौरान हिंदी को बढावा देने हेतु हिंदी भाषी व हिंदीतर भाषी अधिकारी व कर्मचारियों की विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं जैसे -हिंदी श्रुत लेख,हिंदी आलेखन एवं टिप्पण, हिंदी वाद विवाद, हिंदी निबंध, हिंदी कविता पाठ/ गायन, प्रश्नोतरी एवंअन्ताक्षरी प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई जिसमे विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किये। हिंदी पखवाड़े के दौरान संस्थान में एक पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन भी किया गया जिसके प्रथम सत्र में राजेश मीणा सहायक निदेशक एवं प्रभारी राजभाषा प्रशिक्षण केंद्र हिंदी शिक्षण योजना जयपुर द्वारा "कार्यालयीन कामकाज में हिंदी का प्रयोग "विषय पर व्याख्यान दिया गया एवं कार्यशाला के द्वितीय सत्र में डॉ.एस के वेदी अनुसन्धान अधिकारी (आयु.) एवं हिंदी अधिकारी द्वारा "राजभाषा हिंदी के प्रयोग से आमजन को होने वाली सुविधा "विषय पर जानकारी प्रदान की गई। हिंदी पखवाड़ा का दिनांक 30 सितम्बर को समापन किया गया जिसमे संस्थान प्रभारी डॉ. बी.आर.मीणा ने हिंदी पखवाड़े के दौरान की गई विभिन्न प्रतियोगिताओ के विजेताओ को पुरस्कार राशि की घोषणा के साथ प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए सभी से हिंदी में शत प्रतिशत कार्य करने का अनुरोध किया ।

दीया कुमारी ने की जनसुनवाई, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज अपने सरकारी आवास पर जनसुनवाई का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में आमजन अपनी विभिन्न समस्याएं लेकर पहुंचे। जनसुनवाई के दौरान दिया कुमारी ने प्रत्येक व्यक्ति से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। जनता ने सड़क, पानी, बिजली, पेंशन और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं रखीं। उपमुख्यमंत्री ने मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्हें समस्या समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। दिया कुमारी ने कहा कि सरकार जनता के साथ है और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सरकार की प्राथमिकता है।

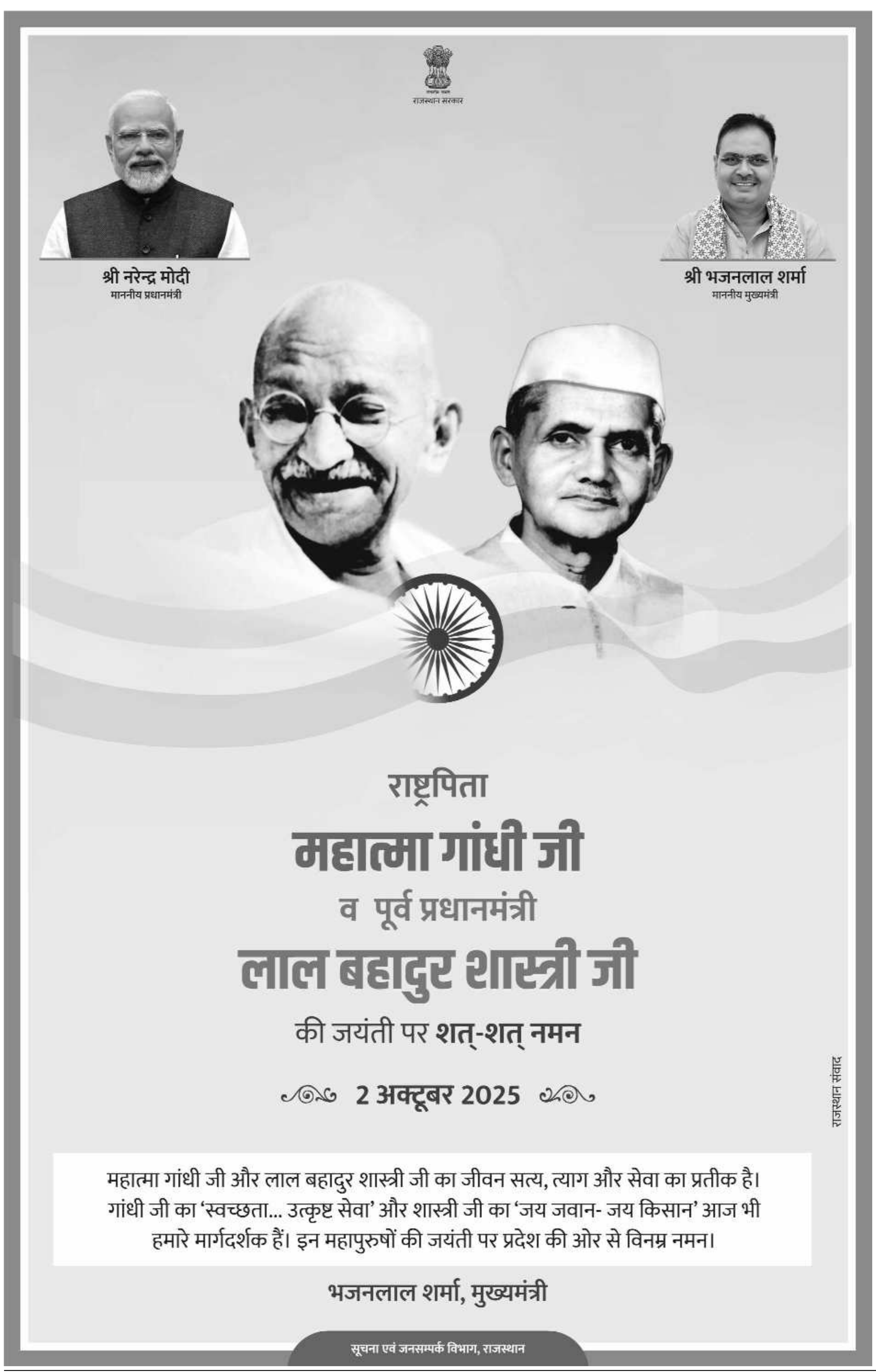

फिजिक्स का नोबेल 3 अमेरिकी वैज्ञानिकों को

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। फिजिक्स का नोबेल तीन अमेरिकी वैज्ञानिकों को मिलेगा। इस वर्ष के भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से तीन अमेरिकी वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया है। ये वैज्ञानिक हैं- जॉन क्लार्क, माइकल डेवोरेट, जॉन मार्टिनिस। इन वैज्ञानिकों को यह पुरस्कार बिजली के सर्किट में बड़े पैमाने पर क्वांटम टनलिंग की खोज के लिए दिया गया है। साथ ही, ऊर्जा के स्तरों की गहराई से समझ विकसित करने में इनके योगदान को भी सम्मानित किया गया है। इनकी ये खोज क्वांटम कंप्यूटिंग के क्षेत्र में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। इससे नई तकनीकों के विकास की संभावनाएं बढ़ी हैं, जो भविष्य में कंप्यूटर, संचार और डेटा सुरक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला सकती हैं। नोबेल पुरस्कार विजेताओं को यह सम्मान 10 दिसंबर को स्टॉकहोम, स्वीडन में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा।

दिल्ली में मौसम खराब, फ्लाइट्स जयपुर डायवर्ट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। दिल्ली में मौसम खराब हो गया है। फ्लाइट्स जयपुर डायवर्ट हो रही हैं. दिल्ली एयरपोर्ट पर विमानों की लैंडिंग में दिक्कत आ रही है। ऐसे में कुछ फ्लाइट्स रखी गई होल्ड पर तो कुछ फ्लाइट्स डायवर्ट की गई है।

एक इंटरनेशनल सहित कुल 7 फ्लाइट्स जयपुर डायवर्ट हुई हैं। एयर इंडिया की पटना से दिल्ली फ्लाइट AI-2524 डायवर्ट हुई है। इंडिगो की हैदराबाद से दिल्ली फ्लाइट 6E-6043, इंडिगो की श्रीनगर से दिल्ली फ्लाइट 6E-2305, एयर इंडिया एक्सप्रेस की गुवाहाटी से दिल्ली फ्लाइट IX-1192, इंडिगो की गोवा से दिल्ली फ्लाइट 6E-6243, एयर इंडिया की मुंबई से दिल्ली फ्लाइट AI-2960, स्पाइसजेट की दुबई से दिल्ली फ्लाइट SG-06 जयपुर डायवर्ट हुई है।

सम्पादकीय

वार्ता से रास्ता निकले

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट की यह उम्मीद कि आखिरकार अमेरिका और भारत साथ आएंगे, मौजूदा वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। अच्छी बात यह है कि अमेरिका के एकतरफा टैरिफ और कुछ तीखे बयानों के बावजूद बातचीत का रास्ता बंद नहीं हुआ है। वॉशिंगटन और नई दिल्ली, दोनों मिलकर इस मसले को सुलझा सकते हैं। भारत पर थोपे गए ट्रंप के 50% टैरिफ को लेकर अमेरिका में साफ तौर पर दो विरोधी स्वर सुनाई पड़ रहे हैं। एक धड़ा कूटनीतिक सीमाओं के इतर जाकर बयानबाजी कर रहा है और जिसकी वजह से दोनों देशों के संबंधों में तनाव बढ़ा है। वहीं, दूसरे धड़े का मानना है कि रूस से तेल खरीदने के लिए केवल भारत को निशाना बनाना सही नहीं, जबकि सबसे बड़ा खरीदार चीन है। ऐसे माहौल में जरूरी है कि दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर संवाद जारी रहे। अच्छी बात यह है कि बेसेंट के मुताबिक, दोनों पक्ष मौजूदा हालात को लेकर चिंतित हैं और मसले को सुलझाना चाहते हैं। भारत-अमेरिका का रिश्ता केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। हाल के बरसों में दोनों ने सुरक्षा, तकनीक, ऊर्जा समेत दूसरे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाया है। चीनी मनमानी पर नियंत्रण के लिए अमेरिका को खासतौर पर भारतीय सहयोग की जरूरत है। इसी मकसद से क्वॉड का गठन किया गया, जिसे अमेरिकी सरकार ने तवज्जो भी दी। लेकिन, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से क्वॉड के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं, वॉशिंगटन में यह भी चिंता है कि पिछले दो दशकों में भारत-अमेरिका रिश्तों में जो प्रगति हुई थी, वह इन कुछ दिनों में बेकार हो गई। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अमेरिका सबसे पुराना लोकतंत्र। भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और अमेरिका सबसे अमीर अर्थव्यवस्था। दोनों देशों के बीच टकराव बढ़ता है, तो असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। अमेरिकी मांग के अनुसार, भारत अगर रूस से खरीदारी बंद भी कर देता है, तो इससे ग्लोबल ऑयल सप्लाई बाधित होगी और तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। US इस पहलू को लगातार नजरअंदाज कर रहा है। दोनों देशों के बीच पिछले एक दशक में द्विपक्षीय व्यापार लगभग दोगुना हो गया है और इसे 2030 तक 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन यह तभी संभव है, जब मौजूदा गतिरोध खत्म हो। इसके लिए बातचीत ही रास्ता है। अड़ियल रुख अपनाने के बजाय अमेरिका को भारतीय नजरिया समझने की जरूरत है।

> **चीनी मनमानी पर नियंत्रण के लिए अमेरिका को खासतौर पर भारतीय सहयोग की जरूरत है। इसी मकसद से क्वॉड का गठन किया गया, जिसे अमेरिकी सरकार ने तवज्जो भी दी। लेकिन, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से क्वॉड के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं।**

सरकार को घरेलू विनिर्माण को स्वार्थी ताकतों से बचाना चाहिए

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

संदीप पारीक
इन्टरप्रेन्योर
@jagrukjanta.net

> **संरक्षणात्मक कदमों का विश्लेषण यह भी बताएगा कि कई मामलों में यह संरक्षण सरकार पर निर्भरता की ओर ले जाता है। यह निर्भरता भारत की दीर्घकालिक वृद्धि पर असर डालती है। ऐसे में फिर चाहे गुणवत्ता नियंत्रण आदेश हो, सामान्य से अधिक शुल्क दर या एंटी-डंपिंग उपाय, ऐसे सभी उपायों की एक समापन अवधि होनी चाहिए।**

सरकार ने हाल ही में यह घोषणा की है कि वह स्टील से लेकर मोबाइल कवर तक विभिन्न उत्पादों के विरुद्ध एंटी-डंपिंग जांच करेगी। भारत में एंटी-डंपिंग का इस्तेमाल संरक्षणवादी उपाय के रूप में व्यापक रूप से किया जाता है। इसके साथ-साथ उच्च शुल्क दरें, मात्रात्मक प्रतिबंध, नकारात्मक आयात सूची और अन्य उपाय भी अपनाए जाते हैं। इनमें से कुछ विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के अनुरूप हैं, कुछ को अनुपालन योग्य बनाया जा सकता है और दूसरों के लिए विश्व बैंक शायद ही मायने रखता है। जो चीज मायने रखती है वह है भारत द्वारा निर्मित किया जा रहा विनिर्माण संबंधी माहौल। अगर स्टील से लेकर मोबाइल कवर, कांच, पीईटी और सोलर पैनल तक हर चीज को संरक्षण की आवश्यकता है, जबकि सैकड़ों अन्य उत्पादों को पहले ही किसी न किसी तरह का संरक्षण हासिल है तो ऐसे में हमें खुद से एक गहरा प्रश्न करना होगा और वह यह कि आखिर क्या हुआ? और हम इसे कैसे बदल सकते हैं?

इसका एक उत्तर, जो सबसे लोकप्रिय उत्तर भी है, वह यह है कि चीन ने अपना भारी सब्सिडी और उच्च संरक्षण वाला औद्योगिक उत्पादन भारत पर थोप दिया है। ये उत्पाद बहुत आसानी से घरेलू उत्पादन और उद्योग पर छा जाते हैं और रोजगार तथा दीर्घकालिक विनिर्माण वृद्धि को प्रभावित करते हैं। परंतु ये एंटी-डंपिंग जांच केवल चीनी उत्पादों को तो निशाने पर नहीं लेंगी। प्राप्त जानकारी से तो यही लगता है कि वाणिज्य मंत्रालय के तहत आने वाले व्यापार उपाय महानिदेशालय (डीजीटीआर) को थाईलैंड, रूस, ताइवान, दक्षिण कोरिया, वियतनाम और बांग्लादेश सहित अन्य देशों के उत्पादकों की भी जांच करनी होगी। उपरोक्त उपायों की तरह कई संरक्षणात्मक उपाय मौजूद हैं और अमेरिका, जापान तथा यूरोपीय संघ सहित कई विकसित देशों के उत्पादकों को इसमें शामिल किया गया है। दूसरे शब्दों में, भारतीय विनिर्माता और उनके संघ मानते हैं कि उन्हें दुनिया भर के उत्पादों से संरक्षण की आवश्यकता है। कई बार तो यह कहा जाता है कि अन्य देशों के उत्पादकों को सस्ते चीनी कच्चे माल से लाभ मिल रहा है और इसके चलते अंतिम उत्पाद की लागत कम रहती है। ऐसे में भारत को खुद को इन सभी देशों के उत्पादकों से बचाने की

आवश्यकता है जो सस्ते चीनी कच्चे माल पर निर्भर हैं। इस तर्क में दम हो सकता है, लेकिन यह भी सही है कि भारत खुद भी चीन से बहुत अधिक आयात करता है। गत वर्ष यह आंकड़ा 113 अरब डॉलर था जो इससे पिछले वर्ष से 11 फीसदी अधिक था। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन, मशीनरी और उपकरण तथा प्लास्टिक आदि सभी शामिल थे।

सरकार के सामने एक गंभीर समस्या है: वह यह कैसे तय करे कि किन उत्पादों को बचाना है और किन्हें नहीं? अपना हित समझने वाला हर उत्पादक सरकार से चाहेगा कि वह उसे आयात से संरक्षण दिलाए। कोई भी सक्रिय सरकार या तो तत्काल संरक्षण वाले कदम उठाएगी या फिर शिकायत की जांच करेगी। परंतु दिक्कत यह है कि चीनी वस्तुओं की जांच कैसे होगी खासकर तब जबकि यह भी कहा जाता है कि हम चीन सरकार के आंकड़ों पर विश्वास नहीं कर सकते। इस समस्या को देखते हुए सरकार के लिए अगला बेहतर विकल्प यही है कि वह भारतीय आंकड़ों के आधार पर वैश्विक उत्पादनों की जांच करे। अगर हम ऐसा करते हैं तो हम उत्पादों का आकलन भारतीय लागत के आधार पर करेंगे। ऐसे में परिणाम उच्च लागत वाले भारतीय विनिर्माताओं के अनुकूल होंगे तथा संरक्षण की उनकी मांग के पक्ष में भी।

यह सवाल पूछना जरूरी है: ऐसे कौन से मानदंड हो सकते हैं जो सरकार को यह तय करने में मदद करें कि किन उत्पादों को किसी न किसी रूप में संरक्षण दिया जाना चाहिए, और किन्हें बिना रोक-टोक, शायद मामूली शुल्क के साथ, आयात की अनुमति दी जानी चाहिए? एक मुक्त बाजार समर्थक दृष्टिकोण यह तर्क देगा कि रुपये का अवमूल्यन किया जाए, टैरिफ हटा दिए जाएं, और भारतीय कंपनियों को यह निर्णय लेने दिया जाए कि वे वैश्विक कच्चे माल का उपयोग करें या घरेलू। वहीं एक वामपंथी-समाजवादी दृष्टिकोण यह मांग करेगा कि आयात पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाए, रुपये की विनिमय दर को नियंत्रित किया जाए, और सभी उत्पादन भारत में ही किया जाए। सरकार को बीच का रास्ता निकालना होगा। पहले तो यह पता करना होगा कि बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हर उत्पाद क्षेत्र में कैसे निपट रही हैं? हमें यह कार्य इस बात की परवाह किए बिना करना चाहिए कि संबंधित देशों के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौते हैं या वे किसी क्षेत्रीय समूह के सदस्य हैं या नहीं। चाहे वह चीन हो, वियतनाम हो या कोई अन्य देश। बात यह है कि यदि किसी कारणवश किसी देश के उत्पादक भारत में डंपिंग कर रहे हैं, तो वे वैश्विक बाजारों में भी ऐसा करने की प्रवृत्ति रखते होंगे। इसलिए भारत में कोई भी संरक्षणात्मक कदम उठाने से पहले उन उत्पाद श्रेणियों को आगे की जांच के लिए चिह्नित किया जाना चाहिए। दूसरा, जब भी उद्योग जगत से संरक्षण की मांग उठती है, सरकार को पहले उत्पादों के उपयोगकर्ताओं से बात करनी चाहिए और ऐसा तब तक करते रहना चाहिए जब तक कि संरक्षणवादी कदम लागू नहीं हो जाते। संरक्षण एक तरह का आर्थिक न्याय है और निर्णय देने के पहले सरकार को सभी उत्पादकों और उपयोगकर्ताओं को समुचित अवसर देना चाहिए। तीसरा, सरकार को उपयोगकर्ताओं का भी वैसा ही बचाव करना चाहिए जैसे वह उत्पादकों का करती है। ऐसे में किसी भी संरक्षणवादी उपाय की सख्त निगरानी होनी चाहिए कि वह उत्पादकों और उपयोगकर्ताओं पर क्या असर डालता है।

कुल मिलाकर, भारत के विनिर्माण क्षेत्र को सहारा देने और बढ़ावा देने के कई तरीके हैं। एक तरीका है कुछ लागतों को वहन करना, दूसरा है सब्सिडी प्रदान करना, तीसरा है व्यापार करने की प्रक्रिया को सरल बनाना, और एक अन्य तरीका है संरक्षणवाद अपनाना। इन सभी उपायों के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना एक प्रकार की सब्सिडी है जिसका उद्देश्य उत्पादन के पैमाने में आने वाली समस्या को ठीक करना है, क्योंकि बड़े पैमाने पर उत्पादन से लागत कम होती है। यह एक विशिष्ट समस्या का विशिष्ट समाधान है।

अंदर का तूफान जीवन के लिए हानिकारक

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आज 21वीं सदी में मानव ने तकनीक, विज्ञान और भौतिक सुख-सुविधाओं में अद्भुत प्रगति कर ली है, लेकिन इसी दौड़ में सबसे बड़ा संकट मनुष्य के मन की शांति और संतुलन पर आ गया है।

भगवान प्रसाद गौड़
पत्रकार
@jagrukjanta.net

दुनिया का हर वर्ग–बच्चे, युवा और बुजुर्ग–मानसिक तनाव, अवसाद और चिंता से जूझ रहा है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य संघठन के अनुसार हर चौथा व्यक्ति किसी न किसी मानसिक विकार का शिकार है। मनुष्य का असली स्वरूप उसके मन में बसता है, विचारों से ही उसके कर्म और व्यवहार आकार लेते हैं। जब विचार दूषित हो जाते हैं तो इंसान बुरा करने से नहीं हिचकता। यही कारण है कि हर रोज समाज में दिल दहला देने वाली घटनाएँ बढ़ रही हैं–कभी एक बच्चा क्रूरता का शिकार होता है, कभी कोई छात्र अवसाद में आत्महत्या कर लेता है, तो कभी रिश्तों की मर्यादा तार-तार हो जाती है।

मानसिक संकट का असर केवल आम जीवन पर ही नहीं बल्कि पेशेवर और सार्वजनिक जीवन पर भी दिखाई देने लगा है। हाल के वर्षों में कई बड़ी कंपनियों के उच्च पदस्थ अधिकारी मानसिक दबाव के कारण नौकरी छोड़ चुके हैं। कई राजनेता और संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्ति भी तनाव और अवसाद की वजह से अचानक इस्तीफ़ा देने को मजबूर हुए हैं। यह इस बात का संकेत है कि मानसिक स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय चिंता का विषय भी है। इस संकट की जड़ आधुनिक जीवनशैली, निरंतर प्रतिस्पर्धा, बिना मेहनत आगे बढ़ने की लालसा, सस्ती लोकप्रियता की दौड़ और दिखावे की प्रवृत्ति है। सोशल मीडिया ने जीवन को आभासी मंच बना दिया है, जहाँ लोग खुश दिखते तो हैं, पर भीतर टूटे से हैं। शिक्षा प्रणाली भी केवल डिग्रियों और अंकों तक सीमित हो गई है, जहाँ मानसिक संतुलन और भावनात्मक मजबूती का प्रशिक्षण नहीं दिया जाता। कार्यस्थल पर लक्ष्य और टारगेट के दबाव में इंसान मशीन बनता जा रहा है।

समाधान के लिए केवल विचार नहीं बल्कि ठोस योजना जरूरी है। शिक्षा में बदलाव लाकर पाठ्यक्रम में जीवन-कौशल और मानसिक स्वास्थ्य को शामिल करना होगा। कार्यस्थलों पर योग, ध्यान, परामर्श और टीम-बिल्डिंग कार्यक्रम–चलाए जाने चाहिए। परिवारों में पारस्परिक संवाद और अपनायत की वापसी भी जरूरी है। ताकि हर सदस्य अपनी बात कह सके और उन्हें सुना जा सके। धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थाओं को सकारात्मक विचारों का प्रसार करना चाहिए। मन की शुचिता ही सर्वोपरि है। यदि मन दूषित हो जाए तो विज्ञान और प्रगति भी विनाशकारी हो जाती है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हमें यह याद दिलाता है कि स्वस्थ मन ही स्वस्थ समाज और राष्ट्र की नींव है। इसलिए समय की मांग है कि परिवार, संस्था और राष्ट्र नीति में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाए। अन्यथा एक ऐसा दौर आएगा जब भौतिक प्रगति के बावजूद मनुष्य भीतर से पूरी तरह खोखला हो जाएगा।

आखर-आखर झरे उजियार

माँ भारती के लाडले दो शख्स महान

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

इस बार एक विशिष्ट संयोग बना. हाल ही, दो अक्टूबर को गांधी जयन्ती, लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती के साथ ही विजयदशमी पर्व भी पूरे देश में धूमधाम से मनाया गया। ये बुराई पर अच्छाई की विजय का जैसे समवेत स्वर में उद्घोष था। हमने शांति और क्रांति के मार्ग से आज़ादी हासिल की है।

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

गांधी जी का मार्ग शांति का मार्ग था, जबकि सुभाषचंद्र बॉस, चंद्रशेखर आज़ाद, बिस्मिल और भगत सिंह का मार्ग क्रांतिमय था। गांधी जी वकालत की पढ़ाई के लिए जब इंग्लैंड गए तो उनका विरोध हुआ। उन्हें जाति बाहर करने की धमकी मिली। गांधी जी के बड़े भाई लक्ष्मणदास गांधी ने बात को सम्भाला। पढ़ाई पूरी कर जब वो लौटे तो उनके अग्रज उन्हें लेने बंदरगाह पर गए। उन्हें सीधे नासिक लाए, गोदावरी स्नान करवाने के बाद बापू को शुद्धिकरण का प्रमाण पत्र मिला। ये संस्मरण गांधी जी अक्सर सुनाया करते थे।

दूसरी बार गांधी जी मोती लाल नेहरू के साथ आए। तब उन्होंने यशवंतराव मैदान में भारी भीड़ को संबोधित किया। उनके संबोधन का ये प्रभाव पड़ा कि कई वकीलों ने अपनी डिग्री वापस कर दी। वो भी उनके सत्याग्रह आंदोलन में शामिल हो गए। शहर में जगह जगह सूत कताई केंद्र खुल गए. ये था गांधी जी की वाणी का असर।

लाल बहादुर शास्त्री की सादगी और ईमानदारी का जादू भी भारतीय जनमानस पर खूब रहा.वो एक बार मुगल सराय आए हुए थे। तब उनकी माँ भी पूछते पूछते पहुंच गई। कहने लगी, मेरा बेटा भी आया है. वो भी रेल्वे में नौकरी करता है।

लोगों ने पूछा क्या नाम है तो मां ने नाम बताया। सब अचंभित हो गए। बोले, मैया शायद झूंठ बोल रही होगी। पर वो कहने लगी, बेटा जरूर यहां आया है. स्टाफ ने उन्हें लाल बहादुर शास्त्री के सामने खड़ा कर दिया. पूछा, क्या ये ही है आपका बेटा।

माँ बोली, जी,बिल्कुल ये ही मेरा बेटा है।

उस वृद्ध महिला को दिखलाते हुए उन्होंने शास्त्री जी से पूछा, सर, ये आपकी माँ है ?

शास्त्री जी ने माँ को बुलाया। अपने पास बिठाया और कुछ देर बाद भेज दिया।

बाद में पत्रकारों ने पूछा, आपने माँ की उपस्थिति में भाषण क्यों नहीं दिया ?

तब उन्होंने उत्तर दिया, मेरी माँ को पता नहीं है कि मैं देश का रेल्वे मंत्री हूँ। अगर उन्हें पता चल जाय तो लोगों की सिफारिशों का सिलसिला शुरू हो सकता है और माँ को मैं मना कर नहीं पाऊंगा। शायद उन्हें अहंकार भी हो जाएगा कि मैं रेल्वे मंत्री की माँ हूँ।

ये जवाब सुनकर उपस्थित लोग स्तब्ध रह गए. इतने महान थे लाल बहादुर शास्त्री !

सलाम है माँ भारती के उन महान सपूतों को!

पहले से हो तैयारी

हिमालय क्षेत्र इस समय भयानक तबाही के दौर से गुजर रहा है। उत्तराखंड से लेकर जम्मू-कश्मीर तक, नदियां उफान पर हैं, पहाड़ दरक रहे हैं और जिंदगियां दांव पर लगी हैं। ये आपदाएं और जानमाल का नुकसान गंभीर चेतावनी है। जम्मू में वैष्णो देवी धाम के पास हुए लैंडस्लाइड में मृतकों की संख्या 32 तक जा पहुंची है। यात्रा रोकनी पड़ी है और फंसे हुए यात्रियों को निकाल कर सुरक्षित घर पहुंचाने की कोशिश जारी है। जम्मू ने केवल 20 घंटों में ही 10 साल की सबसे ज्यादा बारिश देख ली। राज्य के कई हिस्सों में कमोबेश ऐसे ही हालात हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ङ्ग पर बताया कि भारी बारिश से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। इस मॉनसून सीजन में यह सीन बार-बार दिख रहा है। इसी महीने की शुरुआत में उत्तराखंड के धराली में बादल फटने के बाद आए फ्लैश फ्लड ने पूरे कस्बे को तबाह कर दिया। फिर चमोली के थराली में आफत बरसी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में एक बार पहले भी, इसी 14 तारीख को बादल फटने से भारी तबाही मची थी। मचैल माता यात्रा के रास्ते पर आई प्राकृतिक आपदा की वजह से जन-धन की हानि हुई थी। इन घटनाओं पर गौर करें तो आपदाओं में जान गंवाने वालों में बड़ी तादाद पर्यटकों की रही। धराली, उत्तराखंड के चार धाम में से एक, गंगोत्री के रूट पर पड़ता है। इसी तरह वैष्णो देवी के दर्शन के लिए सालभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। ये हादसे सबक हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में मौजूद भीड़भाड़ वाले पर्यटन और धार्मिक क्षेत्रों में ऐसे इंतजाम करने की जरूरत है, जिससे किसी अनहोनी की सूरत में लोगों को तुरंत निकाला जा सके। प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। इसके लिए अर्ली वॉर्निंग सिस्टम को बेहतर करने की जरूरत है। बाढ़ और भूस्खलन के खतरे वाले इलाकों में लगातार निगरानी से खतरों की पूर्व सूचना मिल सकती है। मॉनसून के सीजन में पहाड़ों की यात्रा वैसे भी मुश्किल भरी हो जाती है, तो इस मौसम में यात्रियों की संख्या सीमित करने पर विचार किया जा सकता है। मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट दिया है। दूसरे राज्यों के पर्यटक और श्रद्धालु अब भी विभिन्न जगहों पर फंसे हुए हैं। अभी इन सभी की सुरक्षित घर वापसी और राहत-बचाव पर फोकस होना चाहिए। साथ में, ऐसी नीतियों की जरूरत है, जिसमें पहाड़ों की संवेदनशीलता का ख्याल रखा गया हो।

ओपिनियन: दशहरा तभी सार्थक है जब हम अपने भीतर के रावण को भी जलाएँ

हर युग में नए रूपों में लौटता है रावण, समाज का आईना भी है रावण

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आज समाज में अच्छाई और बुराई का संघर्ष आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना कि पौराणिक काल या कथाओं में मिलता है। हम सभी जानते हैं कि दशहरा भारत का प्रमुख पर्व है, जिसे रावण के पुतला जलाने और बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। लेकिन यहाँ प्रश्न यह उठता है कि क्या रावण केवल पौराणिक कथा तक सीमित है? या उसका प्रभाव आज भी हमारे समाज में दृष्टिगत होता है? हमारे आसपास फैली अराजकता, हिंसा और अत्याचार को देखें और आधुनिक समाज और मानव मन पर गौर करें तो स्पष्ट होता है कि रावण आज भी जीवित है। पर आज उसका चेहरा बदल गया है । जो हमें लालच, अहंकार, ईर्ष्या, हिंसा और अंधविश्वास के रूप में दिखाई देता है ।

मणिमाला शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

हर साल दशहरे पर जब हम मैदानों और चौपालों में इकट्ठा होकर रावण के पुतले को जलते देखते हैं तो हमें लगता है कि हमने बुराई पर विजय पा ली है। पटाखों की आवाज़ और आग की लपटों में हमें अच्छाई की जीत का उत्सव दिखाई देता है। लेकिन यही दृश्य हर साल यह सवाल भी छोड़ जाता है कि क्या वाक़ई रावण खत्म हो गया है, या वह नए रूपों में हमारे बीच अब भी ज़िंदा है? यहाँ अगर हम रावण के चरित्र पर एक नज़र डालें तो शायद हमें पता चलेगा कि रामायण का रावण केवल एक खलनायक नहीं था। वह विद्वान ,सभी शास्त्रों का विद्वत ज्ञाता , संगीत का रसिक और शिव का महान भक्त था। स्वर्ण नगरी लंका को उसने एक समृद्ध और शक्तिशाली राज्य बनाया। लेकिन यही बुद्धिमान सम्राट रावण जब अपने अहंकार और वासनाओं का दास बन गया तब उसका पतन होना तय हो गया । कहते हैं कि उसके दस सिर थे पर अब लगता है कि उसके दस सिर केवल शारीरिक प्रतीक नहीं थे, बल्कि मानवीय कमजोरियों के भी प्रतीक थे–काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, ईर्ष्या, अन्याय, अहंकार और हिंसा। और यही दस दोष उसे महानता से पतन की ओर ले गए।

रावण के विरोधाभास और हमारी वास्तविकता

रावण का चरित्र विरोधाभासों से भरा है। एक ओर वह अत्यंत विद्वान, तो दूसरी ओर मर्यादा की सीमाएँ तोड़ने वाला। एक ओर पराक्र मी योद्धा, तो दूसरी ओर स्त्रियों के प्रति अत्याचार करने वाला। शायद यह द्वंद्व ही उसके चरित्र की सबसे बड़ी विशेषता रही हो।क्योंकि कोई व्यक्ति एकसाथ अपने अंदर श्रेष्ठ महानता और निम्न स्तर की कमज़ोरियों को कैसे रख सकता है? हमारा आज का समाज भी इसी विरोधाभास में जी रहा है। हमारे पास विज्ञान और तकनीक की ऊँचाइयाँ हैं, आर्थिक और राजनीतिक ताक़त है, लेकिन इन्हीं ऊँचाइयों के बीच भ्रष्टाचार, लैंगिक असमानता, पर्यावरण का विनाश और सत्ता का दुरुपयोग भी पनप रहा है। क्या यह आधुनिक समय का रावण नहीं है?

सत्ता और अहंकार की परीक्षा

रावण के अहंकार ने ही उसे पतन की राह पर धकेला। उसने राम के धैर्य और सीता की गरिमा का अपमान किया। परिणामस्वरूप उसका साम्राज्य धूल में मिल गया। यही संदेश आज भी उतना ही सशक्त है। राजनीति हो या कॉरपोरेट संसार या आम जनता का जीवन,जहाँ अहंकार और सत्ता का दुरुपयोग बढ़ता है, वहाँ अंततः पतन ही होता है। हमारे समय में कितने ही उदाहरण हैं जहाँ नेताओं ने अपनी शक्ति का इस्तेमाल जनता की सेवा की जगह व्यक्तिगत स्वार्थों के लिए किया और परिणामस्वरूप उनका राजनीतिक भविष्य मिट्टी में मिल गया। कितनी ही कंपनियाँ अपने संस्थापकों के अहंकार और लालच के कारण धराशायी हो गईं। आम आदमी जब सफलता प्राप्त करने के लिए शॉर्ट कट अपनाता है और ग़लत रास्ते पर चलने लगता है तो भी उसका पतन हो जाता है । आज के समय में यह सब रावण की कथा को ही दोहराता है।

स्त्री के सम्मान का प्रश्न

रावण की सबसे बड़ी भूल थी–सीता का हरण। यही कार्य उसकी पराजय का मूल कारण बना। वह युद्ध में वीर था, लेकिन स्त्री के सम्मान की मर्यादा न रख पाने के कारण उसने सब कुछ खो दिया। आज जब हम देखते हैं कि समाज में महिलाओं के प्रति अन्याय और हिंसा अब भी जारी है, तो हमें याद आता है कि असली रावण हमारे बीच अब भी मौजूद है। दहेज, भ्रूण हत्या, कार्यस्थलों पर शोषण, घरेलू हिंसा और बलात्कार–ये सब आधुनिक युग की वे घटनाएँ हैं जो हमें यह कहने पर मजबूर करती हैं कि रावण केवल अतीत का पात्र नहीं है। जब तक स्त्री सुरक्षित और सम्मानित नहीं होगी, तब तक रावण जीवित रहेगा।

ज्ञान और नैतिकता का रिश्ता

रावण जितना विद्वान था, उतना ही नैतिकता से भटका हुआ। यह हमें यह सोचने पर विवश करता है कि ज्ञान मात्र पर्याप्त नहीं है। आज भी हम देखते हैं कि बड़े-बड़े शिक्षित लोग भ्रष्टाचार और अपराध में लिप्त पाए जाते हैं। यह रावण की ही परछाईं है। हमारे समय में असली चुनौती यह है कि शिक्षा केवल रोजगार या ताक़त का साधन न बनकर नैतिकता और ज़िम्मेदारी का भी आधार बने। यदि ज्ञान में संयम और करुणा का तत्व न हो तो वह विनाशकारी बन जाता है। यही रावण की कथा का सबसे गहरा सबक है।

त्योहार और आत्मपरीक्षण

दशहरा केवल उत्सव नहीं, आत्मपरीक्षण का भी अवसर है। हर साल हम बाहर के रावण को जलाते हैं, लेकिन अपने भीतर के रावण को कितना जलाते हैं? यही प्रश्न हमें सजग करता है।यदि हम सचमुच अच्छाई की विजय चाहते हैं, तो हमें अपने भीतर झाँककर देखना होगा कि हमारे दस सिर कौन से हैं। क्या हम ईर्ष्या, ₹ ोध और अहंकार से मुक्त हो पाए हैं? क्या हमने स्वार्थ और अन्याय को छोड़ा है? यदि नहीं, तो रावण दहन केवल रस्म बनकर रह जाएगा।

रावण की पुनर्व्याख्या

आज समाज में रावण की छवि पर नई बहसें भी हो रही हैं। कई समुदाय उसे अपनी पहचान और गौरव का प्रतीक मानते हैं। कुछ लोग उसे विद्वत्ता और शक्ति का प्रतीक मानकर पुनर्व्याख्यित करते हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि रावण का चरित्र स्थिर नहीं है; वह हर युग में नए संदर्भों में पढ़ा और समझा जाता है। रावण केवल एक पौराणिक खलनायक नहीं है। वह हमारी कमजोरियों का दर्पण है। उसके दस सिर हमें यह बताते हैं कि मनुष्य के भीतर अच्छाई और बुराई दोनों साथ रहते हैं। बुराई को पहचानना और उसका परित्याग करना ही असली विजय है।आज जब समाज में अहंकार, अन्याय, स्त्रियों पर हिंसा, भ्रष्टाचार और लालच जैसे दोष व्यापक हैं, तब रावण का चरित्र और भी प्रासंगिक हो जाता है। दशहरा तभी सार्थक होगा जब हम केवल पुतले न जलाएँ, बल्कि अपने भीतर के रावण को भी जलाने का साहस जुटाएँ। यही राम की विजय का सही अर्थ है, और यही आज के समाज के लिए सबसे बड़ा सबक भी।

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 13/03/2024

सूर्योदय : 06:26 **सूर्यास्त :** 18:01 **चन्द्रोदय :** 18:48 **चन्द्रास्त :** 07:25 **शक सम्वत :** 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत् :** 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना :** आश्विन **पूर्णिमांत :** कार्तिक **सूर्य राशि :** कन्या **चन्द्र राशि :** मेष **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** द्वितिया, 26:22 तक **वार :** बुधवार **द्रिक-वैदिक ऋतु :** शरद **द्रिक-वैदि अयन :** दक्षिणायन **कलियुग :** 5126 वर्ष

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : अश्विनी, 22:44 तक
योग : हरषाना, 25:28 तक
प्रथम करण : तैतिल, 16:08 तक
द्वितिय करण : गारा, 26:22 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:39 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:03 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	11:45 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:06 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:01 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:01 पी एम से
अमृत काल	11:40 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:45 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : चन्द्र
चन्द्रवास : उत्तर

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 06:25 - 07:52	उद्वेग : 18:01 - 19:34
अमृत	: 07:52 - 09:19	शुभ : 19:34 - 21:07
काल काल वेला	: 09:19 - 10:46	अमृत : 21:07 - 22:40
शुभ	: 10:46 - 12:13	चर : 22:40 - 00:13
रोग वार वेला	: 12:13 - 13:40	रोग : 00:13 - 01:46
उद्वेग	: 13:40 - 15:07	काल : 01:46 - 03:19
चर	: 15:07 - 16:34	लाभ : 03:19 - 04:53
लाभ	: 16:34 - 18:01	उद्वेग : 04:53 - 06:26

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज द्वितीया

आज कौन सा कार्य करें

द्वितीया को राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋय दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

कार्तिक, कृष्ण, द्वितीया, 2082 बुधवार, 8 अक्टूबर - 14 अक्टूबर, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
कोई भी महत्वपूर्ण कार्य न करें। बच्चों के प्रति व्यवहार अच्छा रखें। गले में संक्रमण जैसी समस्या हो सकती है। घूमने जा सकते हैं। साझेदारी वाले व्यापार में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों से झगड़ा हो सकता है। घर के बुजुर्गों के साथ किसी मांगलिक कार्यक्रम की रूपरेखा बना सकते हैं। लेन-देन में सावधानी रखें। दिन का उत्तरार्ध थोड़ा कमजोर रहेगा।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
पुराने मित्रों के साथ मुलाकात होने से तरोताजा हो जायेंगे। घर के नवीनीकरण की योजना बना सकते हैं। आपके आत्मबल में वृद्धि होगी। उच्चाधिकारी आपसे अत्यन्त प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नया व्यापार शुरू करने में मित्र सहयोग कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों में आप हाथ बटायेंगे। प्रेम-सम्बन्धों के लिये दिन अनुकूल है। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई को लेकर लापरवाह रहेंगे।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
नये विचारों के प्रभाव में रहेंगे। योजनाओं के अनुसार कार्य पूर्ण हो जायेंगे। पारिवारिक मामलों को शान्तिपूर्वक निपटायें। घर में उत्सव का वातावरण रहेगा। व्यापार में आपको बड़ा धन लाभ होगा।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
जीवन में आ रही परेशानियों का हल मिलेगा। अपनी बातों को जीवनसाथी के साथ शेयर करें। प्रेम-सम्बन्धों को लेकर कुछ तनाव रहने की सम्भावना है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कम मेहनत के बावजूद आपको अच्छी सफलता मिलेगी। किसी अनावश्यक बहसबाजी पर अधिक ध्यान न दें। सभी कार्यों को योजनाबद्ध रूप से करें। आय में निश्चितता रहेगी।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। पेट में दर्द की शिकायत हो सकती है। कारोबार में बड़ा धन निवेश कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन कमजोर रहेगा। वैचारिक बहस और चर्चाओं से बचें।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
कार्यक्षेत्र में किसी कारण विवाद होने की सम्भावना है। आपको किसी महत्वपूर्ण काम को लेकर दुविधा की स्थिति उत्पन्न होगी। अपनी दिनचर्या को सदैव व्यवस्थित रखें। कलह हो सकती है।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
मनःस्थिति थोड़ी नकारात्मक रहने वाली है। IT फील्ड से जुड़े लोगों को नयी कम्पनी में जॉब मिल सकती है। आर्थिक स्थिति बढ़िया रहेगी। परिवार का पूर्ण सहयोग मिलने से अत्यन्त सुरक्षित महसूस करेंगे।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
आपका आर्थिक पक्ष कुछ कमजोर रहने वाला है। अतिरिक्त जिम्मेदारियों को अपने ऊपर न लें। इससे आपके ऊपर काम का दबाव बढ़ सकता है।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
पैतृक सम्पत्ति की बाधा दूर होगी। धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। छात्रों को करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिलने की सम्भावना है।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में "शालाक्य संबोधिनी" सीएमई का शुभारंभ

परंपरागत चिकित्सा ज्ञान को आधुनिक तकनीक से जोड़ना समय की आवश्यकता-प्रो. शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (मानद विश्वविद्यालय), जयपुर के शालाक्य तंत्र विभाग द्वारा "शालाक्य संबोधिनी" विषय पर 6 दिवसीय सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम 11 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र कुलपति वैद्य करतार सिंह धीमान एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के कुलपति प्रो.संजीव शर्मा ने किया । इस अवसर पर संस्थान की कुलसचिव प्रोफेसर अनीता शर्मा, शल्य तंत्र विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पी हेमंता, शालाक्य तंत्र विभागाध्यक्ष प्रो. शमसा फयाज एवं सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, चिकित्सक के साथ देशभर के आयुर्वेद संस्थानों से आए आयुर्वेद विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

इस सीएमई कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। इस 6 दिवसीय सीएमई मे देशभर से आए आयुर्वेद महाविद्यालयों के चिकित्सक एवं शिक्षक भाग ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम आयुर्वेदिक शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने और चिकित्सकों के सतत कौशल विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

उन्होंने कहा कि परंपरागत चिकित्सा ज्ञान को आधुनिक अनुसंधान और तकनीक के साथ जोड़ना ही समय की आवश्यकता है। शालाक्य तंत्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. शमसा फयाज ने बताया कि "शालाक्य संबोधिनी" विषय पर आयोजित इस 6 दिवसीय सीएमई का उद्देश्य आंख, कान, नाक और मुख से संबंधित रोगों की आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धतियों, रोग निदान विधियों तथा आधुनिक दृष्टिकोण के साथ समन्वय पर चर्चा करना है। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को व्याख्यान श्रृंखला, क्लिनिकल प्रदर्शन, शोध प्रस्तुतियाँ, कार्यशालाएँ एवं इंटरएक्टिव सत्रों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

होंडा कार्स इंडिया ने जयपुर में नई डीलरशिप रोशन होंडा का किया उद्घाटन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारत में प्रीमियम कारों की अग्रणी निर्माता कंपनी होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड (एचसीआइएल) ने आज जयपुर में अपनी नई अत्याधुनिक डीलरशिप, रोशन होंडा का उद्घाटन किया। इस नई डीलरशिप का उद्घाटन होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग एवं सेल्स उपाध्यक्ष, कुणाल बहल ने किया। इस अवसर पर रोशन ग्रुप के चेयरमैन श्री हरचरण लेकर, निदेशक विक्रम लेकर, करण लेकर व शहर के कई गणमान्य लोग भी उपस्थित थे। इस डीलरशिप में एम.आई. रोड पर स्थित 6,780 वर्ग फुट का शोरूम और मालवीय नगर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित 28,000 वर्ग फुट का वर्कशॉप शामिल है, जो आधुनिक बुनियादी ढाँचे और प्रीमियम स्वामित्व अनुभव सुनिश्चित करने के लिए नवीनतम उपकरणों से सुसज्जित है। इस सर्विस सेंटर में कई सर्विस बे हैं और इसे कुशल और प्रशिक्षित पेशेवरों की एक टीम द्वारा समर्थित किया जाता है जो ग्राहकों को सर्वोच्च स्तर की संतुष्टि प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए, होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग एवं सेल्स उपाध्यक्ष, कुणाल बहल ने कहा, राजस्थान में जयपुर हमारे लिए एक प्रमुख बाज़ार है, और रोशन होंडा के उद्घाटन के साथ अपनी उपस्थिति का विस्तार करते हुए हमें खुशी हो रही है। यह नई डीलरशिप हमें अपने ग्राहकों के और करीब लाती है और एक प्रीमियम कार स्वामित्व अनुभव प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है। होंडा एलिवेट, सिटी ई-एचईवी, सिटी और अमेज़ जैसे हमारे लोकप्रिय मॉडलों के साथ, हमें विश्वास है कि यह सुविधा हमें अपने ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करने और उनकी सुविधा एवं संतुष्टि बढ़ाने में मदद करेगी। इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, रोशन होंडा के निदेशक, करण लेकर ने कहा, होंडा परिवार का हिस्सा बनकर हमें बेहद खुशी हो रही है और हम पर भरोसा जताने के लिए एचसीआइएल प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हैं। हम उच्चतम स्तर की ग्राहक सेवा प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि रोशन होंडा आने वाला हर ग्राहक होंडा ब्रांड की गुणवत्ता और विश्वसनीयता का अनुभव करे। एक समर्पित और समर्पित टीम के साथ, हमारा लक्ष्य जयपुर में ग्राहकों को विश्वस्तरीय बिक्री और बिक्री के बाद की सेवा का अनुभव प्रदान करना है। रोशन होंडा डीलरशिप के खुलने के साथ, कंपनी की अब जयपुर में दो डीलरशिप हो गई हैं। राजस्थान भर में, होंडा अब प्रमुख शहरों में 11 डीलरशिप आउटलेट संचालित करती है। होंडा के मॉडल टिकाऊपन, विश्वसनीयता, सुरक्षा और ईंधन दक्षता जैसे स्थापित गुणों के अलावा, उन्नत डिज़ाइन और तकनीक से भी जुड़े हैं।

गांधी जयंती पर कांग्रेस ने झोटवाड़ा में निकाली प्रभात फेरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 36 में कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। यह प्रभात फेरी करणी पैलेस से गांधी पथ रोड तक निकाली गई, जिसमें स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रभात फेरी संयोजक राजेंद्र चौधरी ने बताया कि झोटवाड़ा विधायक प्रत्याशी अभिषेक चौधरी एवं प्रभारी प्रियकांत गौड के नेतृत्व में प्रभात फेरी का शुभारंभ किया गया। प्रभात फेरी के दौरान "रघुपति राघव राजा राम" की धुन और "महात्मा गांधी अमर रहे, गांधी तेरा बलिदान याद रखेगा हिंदुस्तान" जैसे नारों से वातावरण गूंजायमान हो उठा।

इस अवसर पर खेल बोर्ड के पूर्व सदस्य हरीश यादव, ब्लॉक अध्यक्ष उमराव यादव, संगठन महामंत्री अमरचंद मंडावरा, मंडल अध्यक्ष रामकुमार चौधरी, अनिल माथुर, मुकेश कड़वा, भवानी सिंह मामडोदा, अनिल वर्मा, लखन मीणा, कल्याण सहाय चोपड़ा, रतन चोपड़ा, रामेश्वर नेटवाल, सिराज खान, सरवन कडवासरा, प्रदीप मीणा, हरपाल यादव, कानाराम भाखर, एड. लालचंद यादव, रामनिवास शर्मा, ओमप्रकाश जाखड, हरि सिंह बुंदेला, हरि नारायण बामनिया, अंशु नागौरा, भानु प्रताप सिंह शेखावत, रविंद्र सिंह लाड़खानी, रवि चोपड़ा, जोगेंद्र बामनिया, नरेन्द्र सोनी, रविंद्र सारसर, राघव दाधीच, खेमचंद मुंडोतिया, सुरेश यादव, मनोज खोड़ा (लावपुरा), रवि शास्त्री, बिक्रम प्रजापत, मनोज नागौरा, भरत लाखीवाल, मुकेश चोपड़ा, रामकरण जाजोरिया, राजेंद्र मंडावरिया, कमल बिलोनिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

MEAM 2.0 यंग सिटीजन ऑफ इंडिया के इंटर स्कूल क्विज़ एंड स्पीच कंपटीशन

माइनॉरिटी के बच्चे बढ़ रहे सफलता की ओर, शिक्षा से पैदा हो रही जागरूकता

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ़ राजस्थान के ऑडिटोरियम में एमईएएम सीजन 2 यंग सिटीजन ऑफ़ इंडिया की ओर से इंटर स्कूल क्विज और स्पीच कंपटीशन का आयोजन किया गया।कंपटीशन में जयपुर और टोंक के 11 स्कूलों ने भाग लिया। सभी स्कूलों ने अच्छा प्रदर्शन किया, जिसके चलते जजेज को बच्चों के स्पीच और कंपटीशन में जज करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

पहला लाइफ टाइम एच एम सुलेमान अचीवमेंट अवार्ड रेशमा खान को देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बशीरन बेगम रही।विशेष अतिथि मे आकाशवाणी की डायरेक्टर रेशमा खान, वक़्फ़ बोर्ड चेयरमैन खानु खान बुधवाली, ए एल पेपर के डायरेक्टर जावेद खान कागज़ी, ज्वैलरी व्यापारी शकील अंसारी, डॉ आरिफ हुसैन, ओसवाल सोप ग्रुप के अचल जैन, जामा मस्जिद के सेक्रेटरी ज़हीरुल्लाह खान, JIN एजुकेशन ग्रुप के डायरेक्टर डॉ आजम बैग, अल कबीर के समेत बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। सभी वक्ताओं ने अपने-अपने विभाग को लेकर बच्चों को कैरियर गाइडेंस और करियर काउंसलिंग की। इस प्रोग्राम में सुप्रीम कोर्ट के वकील हमनशीन अहमद ने कहा कि माइनॉरिटी में शिक्षा को लेकर काफी जागरूकता आई है। अब शिक्षा के क्षेत्र में 2023-24 में 79.5% तक बढ़ी है। जे एल एन एजुकेशन के डायरेक्टर डॉ आज़म बैग ने कहा कि विप्रो के अजीम प्रेमजी जैसी शख्सियत ने शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अपनी कमाई के 1 हजार 774 करोड़ खर्च किया, जिससे बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सके। मैनेजर सारा इस्माइल ने बताया कि यह दूसरा सीजन कामयाबी के साथ पूरा हुआ। जयपुर और टोंक की स्कूलों के 250 से ज्यादा स्टूडेंट्स प्रोग्राम में शिरकत करने पहुंचे। प्रोग्राम में पत्रकारों सहित शहर की मशहूर मारूफ हस्तियों का इस्तकबाल किया गया। मेहमानों का माला पहनाकर शॉल ओढ़ाया और मोमेंटो देकर इस्तकबाल किया गया। विजेता टीम को मोमेंटो सर्टिफिकेट देकर नवाज़ा। बेस्ट स्कूल अवॉर्ड दी इंडियन पब्लिक स्कूल रही, स्पीच में विनर ब्राइट कैरियर, दूसरे नंबर पर गुड लक, वहीं तीसरे स्थान पर ब्राइट फ्लावर रही। क्विज में विनर आर पी एस स्कूल, दूसरे नंबर पर टोंक पब्लिक स्कूल तीसरे नंबर पर ज़ैतुना मोमिन रही।

प्रदीप होंगे पुलिस जूडो के तकनीकि अधिकारी

श्रीनगर @ जागरूक जनता। जम्मू कश्मीर में 8 से 16 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली अखिल भारतीय पुलिस जूडो क्लस्टर चैंपियनशिप, शेर ए कश्मीर इंडोर स्पोर्ट्स कंघपलेक्स श्रीनगर में आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में वनस्थली विद्यापीठ निवाई टोंक के अनुदेशक शारीरिक शिक्षा प्रदीप कुमार शर्मा को भारत जो भारतीय जूडो महासंघ के तकनीकि अधिकारी हैं, को चुना गया है। शर्मा स्वयं अंतरराष्ट्रीय (कॉमनवेल्थ) के जूडो खिलाड़ी रहे हैं। उनके चयन पर राजस्थान जूडो संघ के महासचिव एवं गुरु वशिष्ट पुरस्कार विजेता महिपाल ग्रेवाल ने एवं भारतीय जूडो महासंघ के पूर्व महासचिव मनमोहन जायसवाल ने शुभकामनाएं दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। टोंक जिले के जूडो संघ अध्यक्ष सत्यनारायण गुप्ता, सचिव राधेश्याम नावरिया, उपाध्यक्ष रूपनारायण जाट, हरिराम चौधरी, पूर्व सचिव सीमा धाबाई, बलवीर चौधरी, शारीरिक शिक्षक संजय शर्मा, झीलमवती देवी, गणेश सैन, हिमांशु शेखर शर्मा, फाइटर डिफेंस एकेडमी के निदेशक अनिल जाट नोहटा , राजेंद्र शर्मा, जय सिंह चौहान आदि सभी खेल प्रेमियों ने सहर्ष शुभकामनाएं दी।

युवा जागृति सेवा समिति का 40वीं दुर्गा पूजा महोत्सव सम्पन्न

जयपुर @ जागरूक जनता। युवा जागृति सेवा समिति द्वारा 40वी दुर्गा पूजा महोत्सव 2025 पुराना 16 नं. बस स्टैंड, जेपी कॉलोनी, सेक्टर-4, विद्याधर नगर आयोजन किया गया। समिति के कमल गुप्ता ने बताया की कलश यात्रा एवं स्थापना के बाद माता की मेहंदी, स्थानीय बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नवदुर्गा चित्र प्रदर्शनी, महाआरती, डांडिया एवं "नानी बाई का मायरो" पर बच्चों द्वारा लघु कथा, हवन एवं कन्या पूजन के अलावा भंडारा प्रसादी की गई। अंत में विशाल शोभायात्रा एवं विसर्जन किया गया।

हज यात्रा - 2026 के ट्रेनर्स के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 27 अक्टूबर

जयपुर @ जागरूक जनता। हज यात्रा 2026 में चयनित हज यात्रियों को हज अरकान, व्यवस्थागत निर्देशों एवं संबंधित गतिविधियों की जानकारी प्रदान करने के लिए पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी हज ट्रेनर्स की प्रशिक्षण प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इच्छुक अभ्यर्थी 7 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। राजस्थान स्टेट हज कमेटी के अधिशाषी अभियंता अबु सुफियान चौहान ने बताया कि ट्रेनर पद हेतु आवेदन के लिए आवेदन पत्र, आवश्यक योग्यताओं के संबंध में जानकारी तथा अन्य सूचनाएं हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट https://hajcommittee.gov.in पर उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र की प्रति मय शैक्षणिक योग्यता प्रमाणपत्र, हज या उमराह वीजा एवं संबंधित दस्तावेजों की प्रतियां संलग्न कर 27 अक्टूबर 2025 तक कक्ष संख्या 1106, प्रथम तल, मुख्य भवन, शासन सचिवालय, जयपुर में कार्यालय समय के दौरान जमा कराना आवश्यक है। चौहान ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित कम्प्यूटर बेस्ड टेस्ट (CBT) में 50 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों का साक्षात्कार द्वारा अंतिम चयन किया जाएगा।

राज्यपाल बागडे ने जारी किए आदेश श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कुलगुरु डॉ. बलराज सिंह पद से निलम्बित

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कुलगुरु डॉ. बलराज सिंह को तत्काल प्रभाव से पद से निलंबित किए जाने के आदेश जारी किए हैं।यह निलंबन डॉ. बलराज सिंह द्वारा कार्यकाल के अंतिम तीन माह में किसी प्रकार का नीतिगत निर्णय नहीं लेने के कुलगुरु द्वारा उल्लंघन किए जाने और उनके विरुद्ध मिली विभिन्न गंभीर शिकायतो के कारण किया गया है। कुलगुरु के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों के अंतर्गत उनके द्वारा विश्वविद्यालय अधिनियम में उल्लेखित अपने अधिकारों एवं क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर कार्मिकों की सेवा बर्खास्तगी एवं स्थांतरण करने और नियमों की अनदेखी किए जाने, प्रदत्त शक्तियों का दुरुपयोग करने आदि प्रमुख है। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने जांच प्रभावित नहीं हो, इसके लिए एक जांच कमेटी गठित की है।

पूर्व कुलपति प्रो. वैद्य गौड़ 'धन्वंतरि अवार्ड' से सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के पूर्व कुलपति एवं आयुर्वेद जगत की प्रतिष्ठित विभूति प्रोफेसर वैद्य बनवारीलाल गौड़ को हाल ही में गोवा में आयोजित 10वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर 'धन्वंतरि अवार्ड' से नवाजा गया। इस सम्मान के तहत उन्हें 5 लाख रुपये की धनराशि, उत्तरीय, स्मृति चिन्ह एवं सम्मान पत्र प्रदान किया गया।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर आज पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद , जोधपुर में एक विशेष सम्मान एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के सभी संकाय सदस्य, शोधार्थी व स्नातकोत्तर छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर वैद्य बनवारीलाल गौड़ ने इस सम्मान को संपूर्ण आयुर्वेद समुदाय का सम्मान बताते हुए कहा कि यह पुरस्कार उनके जीवन के कार्यों को सार्थकता प्रदान करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को आयुर्वेद के गहन अध्ययन और शोध की ओर प्रेरित किया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित सीसीआईएम के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वेदप्रकाश त्यागी ने कहा कि यह पुरस्कार समर्पण, परिश्रम और आयुर्वेद के प्रति निष्ठा का प्रतीक है। विश्व आयुर्वेद परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ला ने गुरुजी की उपलब्धियों को ऐतिहासिक बताते हुए उनके द्वारा किए गए चरकसंहिता के चार खंडों में अनुवाद व टिप्पणी लेखन (4294+ पृष्ठ) को एक अमूल्य योगदान बताया। इस अवसर पर प्रो. चंदन सिंह, डॉ. अरुण त्यागी, प्रो. मनोज कुमार शर्मा, एवं प्रो. गोविंद गुप्ता, डॉ गोविंद सहाय अवस्थी ने भी अपने विचार व्यक्त किए और प्रोफेसर वैद्य गौड़ को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी अतिथियों ने धन्वंतरी भगवान के समक्ष दीप प्रज्वलन कर पूजा अर्चना की।प्राचार्य चंदन सिंह, प्रोफेसर गोविंद सहाय शुक्ला ,प्रोफेसर गोविंद प्रसाद गुप्ता ने प्रोफेसर वैद्य बनवारी लाल गौड़ को शॉल ओढ़ाकर , पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत अभिनंदन किया।

साथ ही समस्त संकाय सदस्य सदस्यों ने माल्यार्पण कर स्वागत अभिनंदन किया। गुरु माता का प्रोफेसर ए नीलिमा रेड्डी ,प्रोफेसर रितु कपूर एवं डॉक्टर मनीषा गोयल ने शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया। तत्पश्चात प्रोफेसर वैद्य गौड़ ने सेमी ऑनलाइन नाडी परीक्षण हैंड्स ओंन ट्रेनिंग कार्यक्रम में विशिष्ट व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद शास्त्र में वर्णित परीक्षणीय विषयों को युगानुरूप संदर्भ में समझना आवश्यक हैं।

परिचालन में आने से निवेश, रोजगार के नए अवसर और राजस्व में बढ़ोतरी

नीलाम खानों में शीघ्र आरंभ हो खनन कार्य-मुख्य सचिव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने नीलाम मिनरल ब्लॉकों को शीघ्र परिचालन में लाने की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक अनुमतियां प्राथमिकता से जारी कराने के निर्देश दिए हैं। समय पर आवश्यक अनुमतियां जारी होने से नीलाम ब्लॉकों में खनन कार्य आरंभ हो सकेगा, इससे खनन क्षेत्र में निवेश के साथ ही प्रदेश में रोजगार के नए अवसर और राज्य सरकार के राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी।

मुख्य सचिव सुधांश पंत मंगलवार को सचिवालय के चिंतन कक्ष में नीलाम किये गए खनिज ब्लॉकों में शीघ्र खनन कार्य आरंभ कराने के लिए प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में 112 मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी के साथ देश में अव्वल है पर आवश्यक अनुमतियां जारी होने में देरी के कारण इन ब्लॉकों में खनन कार्य आरंभ नहीं हो सका है। केन्द्र सरकार भी इसे लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग चैक लिस्ट जारी कर आवश्यक औपचारिकताओं की जानकारी दे ताकि आवेदन के समय ही आवश्यक औपचारिकता पूरी हो सके। हो सके तो सिस्टम ही इस तरह का विकसित कर लिया जाए कि आवश्यक औपचारिकताओं में कमी होने पर सिस्टम आवेदन को स्वीकार ही ना करें। उन्होंने बार-बार, नई-नई कमियां इंगित करने को गलत बताते हुए कहा कि इससे अनावश्यक देरी होती है।

प्री-एम्बेडेड ब्लॉकों के ऑक्शन की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार इसे लेकर गंभीर है ऐसे में जल्द से जल्द अनुमतियां प्राप्त कर ऑक्शन की तैयारी की जाए। उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को निर्देश दिए कि जिलों में जनसुनवाई का कार्य शीघ्र पूरा कराया जाए। उन्होंने एलओआई धारकों द्वारा आवश्यक अनुमतियों के लिए समय पर आवेदन नहीं करने को गंभीरता से लेते हुए कहा कि तय समय सीमा में आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जाएं। विभागीय पोस्ट ऑक्शन फेसिलिटेशन सेल को और अधिक सक्रिय करते हुए समन्वय व मार्गदर्शन के निर्देश दिए। उन्होंने एलओआई धारकों और संबंधित विभागों के बीच ओरियंटेशन कार्यक्रम करने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे प्रक्रिया की जानकारी होने से आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन होगा और अनुमतियों में देरी नहीं हो सकेगी। उन्होंने चरागाह और प्लांटेशन आदि के संबंध में भी निर्देश दिए। उन्होंने बजरी खानों की नीलामी के बावजूद पर्यावरण स्वीकृतियों में देरी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बजरी खनन आरंभ होने से आमलोगों की बड़ी राहत मिल सकेगी। अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण आनंद कुमार ने कहा कि आवश्यक अनुमतियां जारी होने में देरी को परस्पर समन्वय व सहयोग से दूर किया जाएगा। विभाग स्तर पर भी मॉनीटरिंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। प्रमुख सचिव राजस्व दिनेश कुमार ने बताया कि चारागाह क्लीयरेंस से संबंधित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर लिया जाएगा।

प्रमुख सचिव खान एवं भूविज्ञान श्री टी. रविकान्त ने बताया कि गत दो सालों में प्रदेश में मेजर मिनरल ब्लॉकों सहित बजरी के प्लाटों की बड़ी संख्या में नीलामी के बावजूद अभी यह खानें परिचालन में नहीं आ पाई है। प्रधानमंत्री कार्यालय और केन्द्र सरकार स्तर पर भी नीलाम खानों को शीघ्र परिचालन में लाने पर जोर दिया जा रहा है। दो खाने परिचालन में हैं जबकि आवश्यक अनुमतियां प्राप्त कराकर इस साल के अंत तक 8 मेजर मिनरल ब्लाकों में खनन कार्य आरंभ कराने के लक्ष्य के साथ विभाग आगे बढ़ रहा है।

रविकान्त ने बताया कि नीलाम बजरी खानों के परिचालन में नहीं आने से बजरी की मांग और आपूर्ति में बड़ा अंतर है और इससे आमजन को राहत नहीं मिल पा रही है। इसी तरह से अन्य खानों में भी खनन कार्य आरंभ हो जाएं तो खनन क्षेत्र में औद्योगिक निवेश, युवाओं व स्थानीय स्तर पर रोजगार और राज्य सरकार के राजस्व में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो सकती है। राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमेन रविकुमार सुरपुर ने कहा कि जिला कलक्टरों से समन्वय बनाते हुए नीलाम खानों की पर्यावरण अनुमतियों के लिए बकाया जनसुनवाई कार्य को पूरा करा लिया जाएगा।

बैठक में हॉफ पीके उपाध्याय, सदस्य सचिव स्टेट एनवायरमेंट इंपेक्ट एसेसमेंट आथोरिटी (सीया) विजय एन, संयुक्त सचिव वन महेन्द्र कुमार, निदेशक खान एवं भूविज्ञान महावीर प्रसाद मीणा, संयुक्त सचिव खान अरविन्द सारस्वत, प्रभारी फेसिलिटेशन सेल प्रताप मीणा, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा सहित खान, वन, राजस्व, गृह विभाग के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

चूरू के ओपीजेएस विवि के समस्त पाठ्यक्रमों में नवीन प्रवेश पर रोक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश सरकार भर्ती प्रक्रियाओं को पूर्णतः पारदर्शी, निष्पक्ष एवं त्वरित बनाने के लिए निरंतर सुधारात्मक कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार भर्ती प्रक्रियाओं से सम्बंधित किसी भी प्रकार की अनियमितता पर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। बीते दिनों राजस्थान लोक सेवा आयोग एवं राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में सम्मिलित हुए अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जाँच व सत्यापन के दौरान चूरू के ओपीजेएस विश्वविद्यालय की अनेक डिग्रियां फर्जी होने के तथ्य संज्ञान में आये। इस संबंध में राज्य सरकार द्वारा गठित समिति की जाँच रिपोर्ट के बाद ओपीजेएस विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रमों में नवीन प्रवेश पर रोक लगाई गई है। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने बताया कि एसओजी ने ओपीजेएस विश्वविद्यालय द्वारा बिना अध्यापन के ही कूट रचित तरीके से डिग्रियां जारी करने के प्रकरणों की जाँच रिपोर्ट विभाग को प्रस्तुत की थी। इसकी गंभीरता को देखते हुए तत्कालीन संभागीय आयुक्त सीकर के नेतृत्व में जाँच समिति गठित की गयी थी। जाँच रिपोर्ट में विश्वविद्यालय द्वारा ओपीजेएस विश्वविद्यालय चूरू अधिनियम, 2013 के विभिन्न प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन पाया गया। उन्होंने बताया कि ओपीजेएस विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षा एवं परीक्षा परिणामों में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। यहाँ कोई भी नियमित पाठ्यक्रम नियमानुसार संचालित नहीं है। रांका ने बताया कि जाँच समिति ने ओपीजेएस विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्क्रमों में प्रवेश पर तत्काल रोक लगाने की अनुशंसा की थी।

देवनानी पहुँचें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ मुख्यालय

संसदीय लोकतंत्र को सशक्त बनाने वाले वैश्विक संगठन की भूमिका को सराहा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लंदन स्थित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के मुख्यालय में संसदीय लोकतंत्र को सशक्त बनाने वाले वैश्विक संगठन के विभिन्न आयामों का अध्ययन भ्रमण किया। देवनानी ने कहा कि राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा संघ की गतिविधियों में सहयोगी रहेगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रमंडल संसदीय संघ ऐसा संगठन है जो राष्ट्मंडल देशों के विधानमंडलों को एक साझा मंच पर जोड़ता है ताकि विश्वभर में संसदीय लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

देवनानी ने बताया कि राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा का गठन 10 अगस्त, 1959 को किया गया। इसे राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ की साधारण सभा ने नवम्बर, 1959 में संसदीय संघ से सम्बध किया और भारत की केन्द्रीय शाखा ने 25 अप्रेल, 1960 को सहमति प्रदान की। उन्होंने बताया कि लगभग 180 राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं राज्य स्तरीय संसदों का प्रतिनिधित्व करता है और लोकतांत्रिक संस्थाओं के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। देवनानी ने कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन (CPA), यूके ब्रांच के अधिकारियों से राजस्थान शाखा के साथ संभावित सहयोग एवं साझेदारी के विविध आयामों पर विचार-विमर्श किया। देवनानी ने राजस्थान में संघ के तत्वावधान में आयोजित किये गये विधायी प्रक्रियाओं के अनुभव साझा करने के लिए युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों से जोड़ने हेतु यूथ पार्लियामेंट के आयोजन में संयुक्त सहभागिता, महिला जनप्रतिनिधियों हेतु वीमेन पार्लियामेंट के सहयोगात्मक कार्यक्रम तथा भविष्य में राजस्थान शाखा एवं यूके ब्रांच के बीच संस्थागत आदान-प्रदान को सुदृढ़ करने की विस्तार से जानकारी दी। यह संवाद भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच संसदीय परंपराओं, लोकतांत्रिक आदर्शों और युवाओं के सशक्तिकरण को एक नई दिशा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कृषि विभाग के सभी एमओयू को शत् प्रतिशत क्रियान्वित करने के लिए विभाग कृत संकल्पि-राजन विशाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के अंतर्गत संपादित एमओयू के क्रियान्वयन को गति देने एवं निवेशकों को ग्राउंड ब्रेकिंग व प्रोत्साहित करने के लिए कृषि, उद्यान, कृषि विपणन विभाग और कृषि विपणन बोर्ड द्वारा मंगलवार को गणगौर होटल खासा कोठी जयपुर में शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान 253 करोड़ रुपये के निवेश की 5 नयी अन्न भण्डारण की आधुनिक साइलो निर्माण की परियोजनाओं का भी अनुमोदन किया गया। बैठक में शासन सचिव ने बताया कि राइजिंग राजस्थान में आए एमओयू को पूरा करने के लिए कृषि विभाग गंभीर है और विभाग सभी एमओयू को शत् प्रतिशत क्रियान्वित करने के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्येश्य भूमि धारक निवेशकों जिन्होंने राइजिंग राजस्थान में एमओयू कर रखा है उनकी ग्राउंड ब्रेकिंग में आ रही समस्याओं की जानकारी लेकर उनका समाधान करना है। राजन विशाल ने बताया कि राज्य में उद्योग विभाग के बाद दूसरे नम्बर पर सबसे अधिक एमओयू लगभग 2 हजार 439 कृषि क्षेत्र में प्राप्त हुए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में महिला कृषकों का हो रहा सशक्तीकरण

महिला किसानों को मिल रहा निःशुल्क बीज मिनीकिट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की संवेदनशील सरकार किसानों के हित में निरंतर ठोस कदम उठा रही है। कृषि को राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानते हुए सरकार का उद्देश्य न केवल उत्पादन बढ़ाना है, बल्कि कृषकों को आर्थिक रूप से खुशहाल बनाना भी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा है कि किसान आत्मनिर्भर बनें, उनकी आमदनी दोगुनी हो और कृषि को तकनीकी, प्रशिक्षण और संसाधनों से जोड़कर कृषकों को समृद्ध बनाया जाए। इसके साथ ही राज्य सरकार महिला सशक्तीकरण के लिए भी कृतसंकल्पित है। इस दोहरे लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रदेश की महिला कृषकों को निःशुल्क बीज मिनीकिट का वितरण किया जा रहा है। कृषि कार्य में महिलाएं बुआई से लेकर कटाई तक अहम भूमिका निभाती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग द्वारा महिलाओं को मूंग, मोठ, ज्वार, मक्का, बाजरा, मूंगफली और सोयाबीन की फसलों के निःशुल्क बीज मिनीकिट वितरित किए जा रहे हैं। इससे महिला कृषक उच्च गुणवत्ता की फसल प्राप्त कर आर्थिक रूप से सशक्त होने के साथ ही राज्य और देश की अर्थव्यवस्था में अपना अहम योगदान दे रही हैं।

बजट घोषणा 2025-26 के अंतर्गत व्यापक बीज वितरण

राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के अंतर्गत खरीफ-2025 सीजन में विभिन्न योजनाओं के तहत कुल 27 लाख 95 हजार 337 निःशुल्क बीज मिनीकिट वितरित किए गए हैं। इनमें राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन (एनएमईओ-ओएस) के तहत मूंगफली और सोयाबीन के 18 हजार 966 मिनीकिट, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) के तहत उड़द, अरहर और ज्वार के 2 लाख 16 हजार 651 मिनीकिट तथा राज्य बजट घोषणा के अनुसार मक्का के 11 लाख 49 हजार 658, बाजरा के 7 लाख 99 हजार 995, मूंग के 4 लाख और मोठ के 1 लाख बीज मिनीकिट शामिल हैं।

प्राथमिकता वर्गों को लाभ और पारदर्शी वितरण व्यवस्था

इन योजनाओं के अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, लघु एवं सीमांत कृषकों, स्वयं सहायता समूहों, निशक्तजनों एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाली महिला कृषकों को प्राथमिकता दी गई है। बीज वितरण की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए यह कार्य जन आधार कार्ड के माध्यम से किया जा रहा है। संबंधित कृषि पर्यवेक्षक लाभार्थियों को न केवल बीज प्रदान कर रहे हैं, बल्कि विभिन्न जलवायु क्षेत्रों के अनुसार फसल की किस्म के चयन, बुवाई की विधि, फसल प्रबंधन और बीजों के उचित उपयोग की जानकारी भी दे रहे हैं, जिससे किसान अधिक उपज प्राप्त कर सकें।

ऊंट परिवहन को लेकर नए नियमों का नोटिफिकेशन जारी

अब एसडीओ व मेला अधिकारी भी जारी कर सकेंगे विशेष परमिट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान से ऊंटों को अन्य राज्यों में ले जाना अब और भी आसान हो गया है, इसके लिए पशुपालन विभाग ने पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत से नियमों की स्वीकृति लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। अब ऊंटपालकों को निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से ऊंट ले जाने की अनुमति होगी। कुमावत ने कहा कि राजस्थान ऊंट (वध का प्रतिषेध और अस्थायी प्रव्रजन या निर्यात का विनियमन) अधिनियम, 2015 में ऊंट को चराई, खेती डेयरी और पशु मेलों में भाग लेने के लिए राज्य से बाहर ले जाने का प्रावधान है। वर्तमान में इस अधिनियम के लगभग 10 वर्ष बाद नियम बनाये गये हैं, जिससे सम्बंधित कलक्टर से परमिट/ विशेष परमिट लेकर ऊंटों को उपरोक्त कार्यों के लिए राजस्थान से बाहर ले जाया सकेगा। परमिट/विशेष परमिट जारी करने की शक्तियां उपखण्ड अधिकारी तथा राज्य स्तरीय पशु मेलों के दौरान मेला प्रभारी अधिकारी को दी जाएंगी। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि अब ऊंट को राजस्थान से बाहर भी काम के संबंध में ले जाया जा सकेगा। नए नियमों में कुछ नई शर्तें जोड़ी है और उसके आधार पर ऊंट को ले जाने की अनुमति दी जा सकेगी। इसके लिए आगामी दिनों में जिला कलेक्टर के अलावा एसडीओ भी परमिट जा कर सकेंगे। वहीं राज्यों में निर्यात के प्रयोजन के लिए ऊंट के अस्थाई प्रव्रजन पर सरकार से परमिशन लेनी होगी। देशभर के कई स्थानों पर जो पशु मेले लगते हैं, उसमें भी ऊंट को राज्य से बाहर ले जाया जा सकेगा। हालांकि इसके लिए परमिशन लेने की जरूरत होगी और निश्चित समय तक ऊंट को राज्य में वापस भी लाना होगा। मेलों के समय पशुपालन विभाग के मेला प्रभारी अधिकारी भी सक्षम अधिकारी के तौर पर ऊंट को अन्य राज्य में भेजने हेतुसशर्त परमिट जारी कर सकेंगे।

डॉ. कर्नाटक 'राष्ट्रीय कृषि-नवाचार रत्न पुरस्कार-2025' से सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) नई दिल्ली, द्वारा प्रायोजित दौ दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भू-स्थानिक दृष्टिकोणः एक सामाजिक परिप्रेक्ष्य" का उद्घाटन 07 अक्टूबर, 2025 को संगम विश्वविद्यालय, भीलवाड़ा में हुआ। इस अवसर पर महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक को कृषि नवाचार एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, अग्रणी नवाचारों और समर्पित सेवा के लिए प्रतिष्ठित 'राष्ट्रीय कृषि-नवाचार रत्न पुरस्कार-2025' से सम्मानित किया गया है। संगम विवि के कुलपति प्रो. करुणेश सक्सेना ने बताया कि यह सम्मान डॉ. कर्नाटक द्वारा कृषि-प्रौद्योगिकियों और सतत कृषि पद्धतियों के क्षेत्र में किये गये अनुकरणीय प्रयासों से देश के कृषि क्षेत्र में हुई उल्लेखनीय प्रगति के लिए प्रदान किया गया है। डॉ. सक्सेना ने कहा की डॉ. कर्नाटक को शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार में 40 वर्षों से अधिक का समृद्ध अनुभव है। उन्हें सर्वश्रेष्ठ कुलपति पुरस्कार (2021), अनेको लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार, डॉ. आरएस. परोदा पुरस्कार, डॉ. एस.एल. मिश्रा पदक, सीएचएआई मानद फैलोशिप और अमित प्रभुध मनीषी पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

सुमंगल-दीपावली मेला 2025

ग्रामीण परंपरा, गुणवत्ता और नवाचार का उत्कृष्ट मेल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

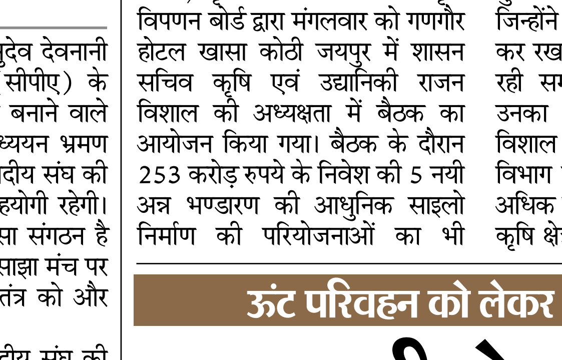

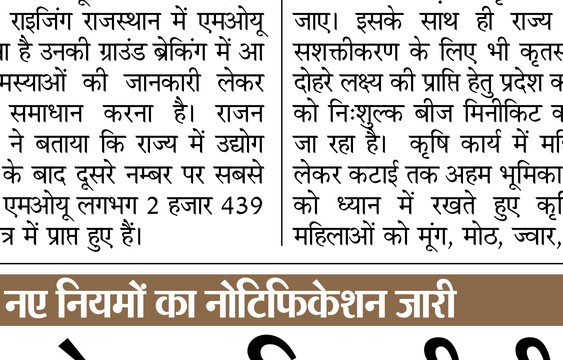

जयपुर। ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) द्वारा आयोजित सुमंगल दीपावली मेला- 2025 में मंगवार को स्कूल शिक्षा, पंचायती राज एवं संस्कृत शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मेले का भ्रमण किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों (SHG) की महिलाओं द्वारा बनाए गए विविध उत्पादों को बारीकी से देखा और उनके कार्य की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय उत्पादों की खरीदारी की तथा कहा कि इन उत्पादों में ग्रामीण परंपरा, गुणवत्ता और नवाचार का उत्कृष्ट मेल दिखाई देता है। दिलावर ने राजीविका के फूड कोर्ट का भी भ्रमण किया और पारंपरिक राजस्थानी व्यंजनों का स्वाद चखा। उन्होंने कहा कि मेले में प्रस्तुत खाद्य सामग्री न केवल स्वाद में विशिष्ट है, बल्कि यह ग्रामीण महिलाओं के पाक कौशल और उद्यमिता का सशक्त उदाहरण भी है। मेले में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने भी शिरकत की। उन्होंने मेले के विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों की प्रशंसा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह मेला ग्रामीण महिलाओं को विपणन मंच प्रदान कर आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मेले में प्रतिदिन बड़ी संख्या में आगंतुक पहुँच रहे हैं और ग्रामीण उत्पादों के प्रति उत्साह व विश्वास का वातावरण देखने को मिल रहा है। राजीविका द्वारा आयोजित यह मेला 1 से 12 अक्टूबर 2025 तक इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, जयपुर में प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से रात्रि 9 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। मेले में राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए हस्तनिर्मित उत्पाद, पारंपरिक परिधान, हस्तशिल्प और प्रामाणिक व्यंजन विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

मोदी ने व्लादिमीर पुतिन को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को अपना 73वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राष्ट्रपति पुतिन को जन्मदिन की बधाई दी। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच बातचीत में दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर बातचीत भी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन के जन्मदिन के अवसर पर उनसे बात की और दोनों नेताओं ने भारत-रूस विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। सरकारी सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी ने ये भी कहा कि वह भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत में राष्ट्रपति पुतिन का स्वागत करने के लिए काफी उत्सुक हैं।

वित्त विभाग ने विभिन्न विकास कार्यों के लिए 392.385 करोड़ के बजट की दी सहमति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार बजट घोषणाओं के वादों को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रतिबद्ध है। इस क्रम में वित्त विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न विभागों को 392.385 करोड़ की वित्तीय सहमति प्रदान की है। भरतपुर जिले के बंध बारेठा से उच्चैन वाया खेरिया मोड़ तक 24.120 किमी. लंबी सड़क के चौड़ाईकरण एवं नवीनीकरण के कार्य के लिए 146.09 करोड़ रूपये की वित्तीय स्वीकृति एवं जोधपुर जिले में लूणी की बोरानाड़ा से सालावास, बासनी सर से दुन्दाड़ा से जिला सीमा तक, गुढ़ा से भांडू कलां वाया मोगड़ा सालावास नंदवान हिरखेड़ा सड़कों के निर्माण कार्य हेतु 82.14 करोड़ रूपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। राजधानी में बढ़ते यातायात के कारण जाम की समस्या को कम करने के लिए सांगानेर के वार्ड नं. 65,66,67,77, 79,81, 83,91 से 103 में सड़क निर्माण कार्य के लिए 52.78 करोड़ रूपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। सड़क दुर्घटना, बिमारी या अन्य किसी प्रकार से मृत्यु होने पर पशुओं के अपशिष्ट निस्तारण के लिए वित्त विभाग द्वारा 41 नगरीय निकायों को 96.425 करोड़ रू. की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

जागरूक खबरें

10 से 12 अक्टूबर तक विज्ञान मेले का आयोजन

भीलवाड़ा @ जागरूक जनता। जिले में विज्ञान के क्षेत्र में विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने के उद्देश्य से आयोजित जिला स्तरीय विज्ञान मेले के लिए अब विद्यार्थियों ने ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया पूरी कर ली है। यह मेला 10 से 12 अक्टूबर तक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजेन्द्र मार्ग भीलवाड़ा में आयोजित होगा। जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा राजेन्द्र कुमार गग्गड़ ने बताया कि विज्ञान मेले में विद्यार्थियों के पंजीयन के लिए विद्यालयों को गूगल फार्म लिंक के माध्यम से पंजीयन करवाया है। विद्यालय स्तर पर चयनित विद्यार्थी ही जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगे। जिला स्तरीय विज्ञान मेला विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और अनुसंधान की भावना को प्रोत्साहित करेगा।

नई पहल: सरकारी स्कूल की बालिकाओं के लिए शुरू की गई फ्री बस सेवा

पाली @ जागरूक जनता। सांचौर क्षेत्र के प्रतापपुरा गांव में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में निःशुल्क बस सेवा शुरू की गई हैं। बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए शुरू की गई इस बस के जरिए 4 किलोमीटर दूर गांवढाणियों की बेटियां स्कूल में पढ़ने आ रही है। अब तक निजी स्कूलों के बच्चों के लिए इस तरह बसों की व्यवस्थाएं देखी गई हैं, लेकिन सरकारी स्कूल में ऐसी पहल से बालिका शिक्षा के प्रति लोगों में जज्बा दिखाई दे रहा है। स्कूल को 25 लाख की लागत की नई बस भामाशाह जितेन्द्र कुमार चौधरी व तुलसाराम चौधरी ने भेंट की है। बस का संचालन का खर्च भी ये भामाशाह ही वहन करेंगे। भविष्य में दूरस्थ जगहों की बालिकाओं की संख्या बढ़ाने पर अतिरिक्त नई बस उपलब्ध कराई जाएगी। ग्रामीणों का कहना कि अब दूर-दराज के हर घर की बेटी स्कूल जाएगी। बालिकाएं भी सुरक्षित सफर से स्कूल पहुंचेगी और अपनी पढ़ाई आगे बढ़ाएगी।

सिविल प्रकरण में पुलिस कार्रवाई पर सौंपा ज्ञापन

श्रीविजयनगर @ जागरूक जनता। भरतपुर जिले के खेदरली मोड में टीसी (ट्रांसफर सर्टिफिकेट) प्रकरण को लेकर पुलिस द्वारा सिविल मामले में अपराधियों जैसी कार्रवाई किए जाने पर स्कूल शिक्षा परिवार ने विरोध दर्ज कराया है। कार्रवाई को शिक्षाविदों ने न्यायिक मर्यादाओं के विपरीत बताया है। मामले को लेकर श्रीविजयनगर ब्लॉक कार्यकारिणी द्वारा पुलिस विभाग के विरुद्ध रोष व्यक्त करते हुए डीजीपी राजस्थान, आईजी भरतपुर तथा एसपी भरतपुर के नाम ज्ञापन एसडीएम श्रीविजयनगर को सौंपा गया।

आईएफडब्ल्यूजे की जैसलमेर जिला इकाई द्वारा स्वागत समारोह का आयोजित

विश्वसनीयता बनाए रखना पत्रकारों की बड़ी चुनौती-गजेन्द्र सिंह

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जैसलमेर। इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट (आईएफडब्ल्यूजे) की जैसलमेर जिला इकाई द्वारा शनिवार को एक स्वागत समारोह का आयोजित किया गया। यह समारोह पोकरण विधायक एवं तारातरा मठ के मठाधीश महंत प्रताप पूरी को संगठन में विशेष आमंत्रित सदस्य मनोनीत किए जाने के उपलक्ष्य में रखा गया। समारोह का आयोजन शहर की सीवी सिंह कॉलोनी स्थित होटल प्रिया में हुआ, जिसमें पत्रकारों व जनप्रतिनिधियों का सुगम समागम देखने को मिला।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत मौजूद रहे, विशिष्ट अतिथियों में जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी, भाजपा जिलाध्यक्ष दलपत हिंगड़ा, पोकरण के पूर्व विधायक शैतानसिंह राठौड़, चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल, संगठन के जिला संरक्षक विमल भाटिया और

आईएफडब्ल्यूजे जिलाध्यक्ष गणपत दैया सहित बड़ी संख्या में पत्रकार बंधु उपस्थित रहे। समारोह में सभी अतिथियों का पारंपरिक रूप से साफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर और माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर संगठन से जुड़े पत्रकारों ने महंत प्रताप पूरी को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाए जाने पर बधाई दी और उन्हें पत्रकार हितों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत ने अपने संबोधन में कहा कि "पत्रकार समाज का आईना होता है। लोकतंत्र के इस चौथे स्तंभ की जिम्मेदारी आज के डिजिटल युग में और बढ़ गई है। सोशल मीडिया ने जहां संवाद को आसान बनाया है, वहीं विश्वसनीयता बनाए रखना आज पत्रकारों की सबसे बड़ी चुनौती है।" उन्होंने आईएफडब्ल्यूजे के माध्यम से पत्रकारों को संगठित और सशक्त बनाए जाने के प्रयासों की सराहना की। महंत प्रताप पूरी ने अपने संबोधन में कहा कि "आईएफडब्ल्यूजे जैसे राष्ट्रीय संगठन से जुड़ना मेरे लिए गर्व की बात है। पत्रकार समाज सच्चाई को समाज के सामने लाने का काम करता है, और मैं हमेशा पत्रकारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर उनके हितों के लिए कार्य करूंगा।" उन्होंने कहा कि संवाद ही लोकतंत्र की आत्मा है और पत्रकारिता उस संवाद को जीवंत बनाए रखती है।

कार्यक्रम के अंत में जिलाध्यक्ष गणपत दैया ने सभी अतिथियों का आभार जताया। समारोह में जिले भर से आए पत्रकारों ने संगठन के प्रति एकजुटता का संदेश दिया और भविष्य में भी इसी तरह पत्रकार एकता को बनाए रखने का संकल्प लिया।

भीमाना में खनन परियोजना के विरोध में उमड़ा जन सैलाब

जनता का एक सुर "धरती नहीं बिकने देंगे, खनन परियोजना करनी होंगी रद्द"

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही @ तुषार पुरोहित। पिण्डवाड़ा तहसील के भीमाना गांव के खेल मैदान में रविवार को प्रस्तावित मेसर्स कमलेश मेटा कास्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की खनन परियोजना के विरोध में हजारों ग्रामीणों का विशाल जनसैलाब उमड़ा। चार ग्राम पंचायत क्षेत्रों—वाटेरा, भीमाना, भारजा और रोहिड़ा—के करीब दर्जनों गांवों की जनता ने एकजुट होकर इस परियोजना को तत्काल निरस्त करने की मांग की। धरने में लोगों ने एक स्वर में कहा कि यह परियोजना क्षेत्र की कृषि भूमि, पर्यावरण और जनजीवन को नष्ट कर देगी, इसलिए जनता इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी।

खनन परियोजना निरस्त करने की उठी गूंज

धरना स्थल पर पहुंचे हजारों लोगों ने इस खनन परियोजना के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने कहा कि करीब 800 हेक्टेयर क्षेत्र में चुना पत्थर खनन की यह परियोजना शुरू होते ही क्षेत्र के पेड़, पहाड़ और जलस्रोत खत्म हो जाएंगे। लोगों ने आरोप लगाया कि खनन की इस योजना में कई किसानों की खातेदारी भूमि भी शामिल की गई है, जिससे वे अपनी आजीविका खो देंगे।

सरकार डबल बेंच में क्यों नहीं गई?

धरना स्थल पर पहुंचे भाजपा विधायक समाराम गरासिया को ग्रामीणों ने घेरते हुए तल्ख सवाल किए। ग्रामीणों ने पूछा कि जब राज्य और केंद्र दोनों जगह भाजपा की सरकार है, तो सरकार ने इस खनन परियोजना को रद्द कराने के लिए उच्च न्यायालय की डबल बेंच में अपील क्यों नहीं की? विधायक ने जनता को भरोसा दिलाया कि वे क्षेत्र के साथ खड़े हैं और जनता की भावना सरकार तक पहुँचाएंगे।

भीमाना में पाटलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में बैठक आयोजित

मंगलवार को इस खनन परियोजना को निरस्त करवाने के लिए गठित संघर्ष समिति की बैठक भीमाना स्थित पाटलेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में आयोजित हुई। बैठक में चारों ग्राम पंचायत क्षेत्रों के प्रतिनिधि मंडल के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में खनन परियोजना से होने वाले संभावित नुकसान पर गहन विचार-विमर्श हुआ। वक्ताओं ने कहा कि इस परियोजना से हजारों पेड़ कटेंगे, खेतीबाड़ी की जमीन नष्ट होगी, जलस्रोत सूख जाएंगे और क्षेत्र का प्राकृतिक संतुलन पूरी तरह बिगड़ जाएगा। बैठक में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि आगामी 13 अक्टूबर, सोमवार को पिण्डवाड़ा उपखंड अधिकारी कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

राजनीतिक दलों और संगठनों का मिला समर्थन

धरने को शिवसेना, कांग्रेस, बाप पार्टी, किसान संघ सहित कई सामाजिक संगठनों ने समर्थन दिया। इन संगठनों के पदाधिकारियों ने मंच से कहा कि यह आंदोलन किसी दल का नहीं, बल्कि जनता और पर्यावरण की रक्षा का आंदोलन है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में अगर परियोजना निरस्त नहीं हुई तो आंदोलन को जिला मुख्यालय से लेकर जयपुर तक ले जाया जाएगा।

प्रधान नितिन बंसल की गैरमौजूदगी पर फूटा गुस्सा

धरना स्थल पर पिण्डवाड़ा प्रधान नितिन बंसल के नहीं पहुंचने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी गई। ग्रामीणों ने प्रधान के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि वे जनता के हित के मुद्दों से बच रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का दिलाया संकल्प

ब्यावर में मातृशक्ति सम्मेलन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

ब्यावर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने ब्यावर स्थित मोतीमहल गार्डन में आयोजित अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ प्रदेश सभा राजस्थान द्वारा आयोजित मातृशक्ति सम्मेलन में शिरकत की। उनके कार्यक्रम में पहुंचने पर साफा, शाल और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। दिया कुमारी को अपने बीच पाकर महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी लगातार महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का सबसे अधिक लाभ महिलाओं को मिल रहा है, जिससे समाज में महिला सशक्तिकरण को मजबूती मिल रही है। दिया कुमारी ने महिलाओं से आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं से जुड़ें और दूसरों को भी जोड़ें। उन्होंने कहा, "हम सभी यहां से यह संकल्प लेकर जाएं कि हर महिला कम से कम 50 अन्य महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ेगी, ताकि हर घर तक इनका लाभ पहुंचे।" इसके साथ ही उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने और विदेशी उत्पादों का त्याग करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग से देश में रोजगार बढ़ेगा और विकसित भारत का सपना साकार होगा। कार्यक्रम में ब्यावर विधायक शंकर रावत, विधायक अनिता भदेल, विश्वकर्मा कौशल बोर्ड अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष घनश्याम पंवार, अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अमराराम, महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष सविता शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष डा. रेणु जांगिड, महिला संघ सचिव पुष्पा जांगिड, भाजपा प्रदेश मंत्री अजीत मांडन सहित कई पूर्व अध्यक्षगण एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ में श्रृद्धालुओं की भीड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। बिरला सीमेंट वर्क्स की ओर से प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 9 दिवसीय श्री राम वाल्मिकी संवाद के रूप में रामकथा का भव्य आयोजन गत 4 अक्टूबर से किया जा रहा है। पं. आशीष मिश्रा द्वारा अयोध्या कांड के माध्यम से प्रभु श्री राम के जीवन चरित्र को जनमानस के लिये प्रेरित करने वाला बताते हुए आह्वान किया कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रभु भक्ति से प्रेरित होकर जीवन को धन्य करना चाहिए। माधव नगर में बेडमिंटन हॉल में आयोजित श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ के दौरान बिरला सीमेंट परिवार के अलावा चंदेरिया एंव आस-पास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में श्रृद्धालु रामकथामृत पान कर रहे है। यहां व्यासपीठ एंव वाल्मिकी रामयण की बिरला सीमेंट वर्क्स के यूनिट हेड दीपक जासूजा, एचआर हेड प्रदीप सिंह बघेल सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा पूजा अर्चना के साथ कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह कथा प्रतिदिन सांय 7.45 से 9 बजे तक आयोजित की जा रही है। प्रथम दिन कलश यात्रा के साथ रामकथा का शुभारम्भ किया गया, जिसकी पूर्णाहुति 12 अक्टूबर को होगी।

केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर में दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

नस्ल सुधार के लिए पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान से जरूरी तकनीक है

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद के संस्थान केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर द्वारा पहली बार राजस्थान राज्य के विभिन्न जिलों से आये अनुसूचित जाति के 40 पशुधन सहायक (38 पुरुष एवं दो महिला) डिप्लोमा होल्डर प्रतिभागी को दस दिवसीय (6 से 15 अक्टूबर, 2025) के आवासीय प्रशिक्षण 'भेड़ - बकरियों मे मद -समकालन एवं कृत्रिम गर्भाधान' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर के मार्गदर्शन मे आज दिनांक 06 अक्टूबर को किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्थान मे चल रही अनुसूचित जाति

उपयोजना के अंतर्गत वित्तपोषित है। निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर द्वारा कार्यक्रम में उपस्थिति पशुधन सहायक को अपने सम्बोधन मे छोटे पशुओ भेड़-बकरी एवं खरगोश पालन के बारे उपलब्ध तकनिकीय ज्ञान एवं वर्षभर किये जाने वाले क्रियाकालापों के साथ अपना उपलब्ध ज्ञान को बढ़ाने के लिए इस तरह के प्रशिक्षण को जरुरी बताया। निदेशक ने कहा कि पशुधन सहायक को अपने व्यवहार से अपने पशुपालक के पशुओ के स्वास्थ्य प्रबंधन के साथ सभी तरह की प्रबंधन को मजबूत करना है जिससे अपने पशुपालक की पशुपालन उत्पादन मे बढ़ोतरी के साथ आजीविका बढ़ सके। निदेशक ने कहा की पशुओ में कृत्रिम गर्भाधान एक बहुत जरुरी तकनीकी है जिसको उपयोग मे लेकर पशुधन सहायक नस्ल सुधार के साथ सर्वोच्च पशुओ के सेमन से कृत्रिम गर्भाधान द्वारा पशुपालक की आमदनी मे बढ़ोतरी कर सकते है। निदेशक द्वारा सभी प्रतिभागी को अधिक से अधिक अपने प्रैक्टिकल ज्ञान को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण में आपस मे सार्थक चर्चा पर जोर दिया। दस दिवसीय कार्यक्रम का प्रशिक्षण के समन्वयक डॉ सत्यवीर सिंह डागी, डॉ मेघा पांडे, डॉ अजित सिंह महला एवं डॉ वी रालते द्वारा किया जायेगा। कार्यक्रम मे उपस्थित डॉ रणधीर सिंह भट्ट पशु पोषण विभाग अध्यक्ष, नोडल अधिकारी एससीएसपी डॉ अजय कुमार, डॉ लीलाराम गुर्जर, डॉ चन्दन गुप्ता एवं डॉ अमरसिंह मीना द्वारा कार्यक्रम मे पशुपालन के विभिन्न पहलुओं पर संवाद पशुधन सहायक के साथ किया गया।

श्रीविजयनगर में श्री सहस्त्रचण्डी महायज्ञ एवं श्री महागणपति महायज्ञ का भव्य आयोजन

श्रीविजयनगर @ जागरूक जनता। स्थानीय धान मंडी प्रांगण में रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में चल रहा श्री सहस्त्रचण्डी महायज्ञ एवं श्री महागणपति महायज्ञ श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में प्रारंभ हुआ। इस पावन अवसर पर स्वामी श्री प्रखर जी महाराज के सानिध्य में 21 कुण्डों पर वैदिक रीति से यज्ञ का शुभारंभ किया गया। इस महायज्ञ में 125 विद्वान ब्राह्मणों की टोली द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ आहुति और महाजप किया जा रहा है। धर्मप्रेमियों की भीड़ धान मंडी परिसर में उमड़ पड़ी। यज्ञ स्थल को आकर्षक पुष्प सजावट, रंगोली और वैदिक प्रतीकों से सजाया गया है। यज्ञ के साथ-साथ प्रतिदिन रामकथा प्रवचन का आयोजन भी हो रहा है, जिसमें स्वामी श्री प्रखर जी महाराज भगवान श्रीराम के आदर्शों, धर्म की महत्ता और सत्य की शक्ति पर प्रेरणादायक प्रवचन दे रहे हैं। बताया गया कि श्रीविजयनगर धान मंडी की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में यह धार्मिक आयोजन रखा गया है। उल्लेखनीय है कि 25 वर्ष पूर्व इसी स्थान पर स्वामी प्रखर महाराज के सानिध्य में ही मंडी का शुभारंभ हुआ था, जिससे यह अवसर नगरवासियों के लिए भावनात्मक और ऐतिहासिक दोनों दृष्टि से विशेष बन गया है। यज्ञ में नगर के गणमान्य नागरिक, व्यापारी वर्ग, किसान एवं महिला मंडल की सक्रिय भागीदारी देखी जा रही है। आयोजन समिति ने बताया कि महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन सामूहिक भंडारा, भजन संध्या और पूजन-अभिषेक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। यज्ञ का समापन विशाल पूर्णाहुति के साथ होगा, जिसमें संपूर्ण श्रीविजयनगर क्षेत्र के श्रद्धालु भाग लेंगे। धान मंडी में राम कथा में जान के लिए विशेष रूप से वाहनों की व्यवस्था गई है। इसी के साथ ही नियमित रूप से लंगर प्रसाद का वितरण किया जा रहा है।

आदिवासी क्षेत्र में अतिरिक्त आय का स्रोत मशरुम की खेती-डॉ. मीना

उदयपुर @ जागरूक जनता। अखिल भारतीय समन्वित मशरूम अनुसन्धान परियोजना,अनुसन्धान निदेशालय, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर केतत्वधान में अनुसूचित जनजाति उपयोजना (टी.एस.पी) के अंतरगत ग्राम पंचायत फलासिया में एकदिवसीय मशरूम प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। मशरूम प्रशिक्षण में पंचायतसमिति -फलासिया के कुल 25-30 गांवो के किसानो एवं महिलाओ ने भाग लिया। प्रशिक्षण में परियोजना प्रभारी डॉ. एन. एल. मीना मशरुम के महत्वपूर्ण गुणों , ढींगरी व दूधछाता मशरुम की खेती के बारे में विस्तार से व्याख्यान दिया तथा कृषि विभाग के कृषि अधिकारी शिव दयाल मीणा ने कृषि में अतिरिक्त आमदनी के लिए मशरुम की खेती को बढ़ावा देने व राजस्थान सरकार की अनुसूचित जनजाति किसानों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के के बारे में जानकारी दी तथा अविनाश कुमार नागदा एवं किशन सिंह राजपूत ने प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रशिक्षणर्थीयो को मशरूम की प्रायोगिक जानकारी दी तथा प्रशिक्षण के अंत में अनुसूचित जनजाति उपयोजना के कुल 30 प्रशिक्षणर्थीयो को सामग्री वितरित की गई।

सोलर पम्प संयंत्र हुआ सस्ता

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। चित्तोडगढ के किसानों को अब बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र की योजना प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान कंपोनेंट-"बी" के अंतर्गत किसानों को 3, 5 व 7.5 एचपी क्षमता तक स्टैंड अलोन सौर ऊर्जा पंप संयंत्र अनुदान पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। किसान 10 एचपी क्षमता के सोलर पंप संयंत्र भी लगा सकते हैं परंतु अनुदान सहायता 7.5 एचपी तक ही देय होगा। जिले को सामान्य श्रेणी में 750, अनुसूचित जाति में 150 एवं अनुसूचित जनजाति में 100 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापना के लक्ष्य प्राप्त हुए हैं। वरीयता अनुसार अनुदान पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रषासनिक स्वीकृत जारी की जायेगी।

अलवर में बनेगा तारामंडल, 10 करोड़ रुपए खर्च होंगे

अलवर @ जागरूक जनता। यूआईटी अगले माह से शहर में तारामंडल बनाने का काम शुरू कर सकती है। इसके लिए जमीन का चयन होना बाकी है। पुराना सूचना केंद्र व कुछ अन्य जगहों पर जमीन तलाशी जा रही है। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा का कहना है कि इस प्रोजेक्ट पर तेजी से काम चल रहा है। जल्द ही यह धरातल पर नजर आएगा। जमीन पर खड़े होकर लोग तारामंडल को देख सकेंगे। पूरे देश में 48 तारामंडल हैं। अलवर व आसपास में तारामंडल नहीं थे। पर्यटकों को आकर्षित करने का यह नया केंद्र होगा। प्रदेश सरकार ने तारामंडल को मंजूरी दी है। इस पर करीब 10 करोड़ रुपए खर्च होंगे। जयपुर, कोलकाता से लेकर मुंबई व अन्य शहरों में तारामंडल बने हैं। उसी तर्ज पर इसे विकसित किया जाएगा। स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को लाभ मिल सकेगा।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

सरस्वती शिक्षा सदन में एंगर कंट्रोल एंड मेंटल हेल्थ सीजन कार्यक्रम आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। लॉयन्स क्लब जयपुर मेट्रो द्वारा स्कूली बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य एवं भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। लायंस सेवा सप्ताह के अंतर्गत पुराना विद्याधर नगर स्थित सरस्वती शिक्षा सदन में एंगर कंट्रोल एंड मेंटल हेल्थ सीजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्रोध नियंत्रण तनाव प्रबंधन और सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण पर छात्रों का टिप्स देकर मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष लॉयन डॉ महेश जैन सचिनव लायन माहेश्वरी कोषाध्यक्ष लायन अनिल जैन मुख्य संयोजक लॉयन नेमी पाटनी एवं मुख्य समन्वयक लायन सी के बाफना ने छात्रों से संवाद किया और छात्रों का परितोषित देकर उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय के निदेशक संतोष कुमार शर्मा ने आगंतुक लायंस का स्वागत किया।

सूरत में 'प्रवासी राजस्थानी मीट' आज

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार का प्रतिनिधिमंडल सूरत के प्रवासी राजस्थानी समुदाय से करेगा मुलाकात

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 8 अक्टूबर को सूरत में आयोजित होने वाले 'प्रवासी राजस्थानी मीट' में गुजरात और सूरत में रहने वाले प्रवासी राजस्थानी समुदाय से मुलाकात करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री शर्मा वहां के प्रमुख उद्यमियों एवं औद्योगिक जगत के प्रतिनिधियों को राजस्थान में निवेश करने और राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए आमंत्रित करेंगे।

PRAVASI RAJASTHANI DIVAS 10 DEC 2025 • JAIPUR

सूरत में आयोजित यह 'प्रवासी राजस्थानी मीट' राज्य सरकार के उस व्यापक अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत देश और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में निवास कर रहे प्रवासी राजस्थानियों से जुड़ाव सुनिश्चित और सशक्त किया जा रहा है और उन्हें राज्य की प्रगति यात्रा का भागीदार बनने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। यह आयोजन 10 दिसंबर 2025 को जयपुर में आयोजित 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' में अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भी किया जा रहा है। सूरत में होने वाले 'प्रवासी राजस्थानी मीट' में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी एवं भू-जल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता सहित राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी हिस्सा लेंगे। इस कार्यक्रम उद्देश्य प्रदेश में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देना है। 'प्रवासी राजस्थानी मीट' के बाद मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार का प्रतिनिधिमंडल सूरत में मौजूद फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल्स, सिरेमिक्स और पेट्रोकेमिकल्स जैसे सेक्टर्स के प्रमुख अधिकारियों से भी मुलाकात करेगा। सूरत में होने वाला यह कार्यक्रम जयपुर में 10 दिसंबर को होने वाले 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' के मद्देनजर किया जा रहा है। इस श्रृंखला में पहला कार्यक्रम दो हफ्ते पहले हैदराबाद में आयोजित किया गया था। 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' का उद्देश्य राजस्थान की विकास यात्रा में 'कनेक्ट, कोलैबोरेट एंड कॉन्ट्रिब्यूट' (Connect, Collaborate, and Contribute) के सिद्धांत पर आगे बढ़ते हुए प्रवासी राजस्थानियों से जुड़ाव को और मजबूत करना है। सूरत में इस कार्यक्रम का आयोजन कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (CII) के सहयोग से किया जा रहा है।

10 दिसंबर को मनाया जाने वाला 'प्रवासी राजस्थानी दिवस', राजस्थान सरकार द्वारा राज्य के वैश्विक प्रवासी समुदाय से जुड़ने की एक महत्वपूर्ण पहल है।

प्रधानमंत्री की राजस्थान के युवाओं को बड़ी सौगात

बनेगा आधुनिक आईटीआई हब, कौशल विकास का नया मौका

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के युवाओं को बड़ी सौगात दी है। भरतपुर स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) को हब के रूप में विकसित करने और धौलपुर, करौली, कामां व बयाना के आईटीआई को स्पोक संस्थानों के रूप में उन्नत बनाने का निर्णय लिया है। इससे प्रदेश के युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि पीएम-सेतु योजना के प्रथम चरण में भरतपुर आईटीआई को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा। साथ ही धौलपुर, करौली, कामां और बयाना के आईटीआई केन्द्रों को तकनीकी दृष्टि से और उन्नत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से युवाओं को उत्कृष्ट तकनीकी शिक्षा और प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे वे उद्योग जगत की मांगों के अनुरूप तैयार हो सकेंगे। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि आधुनिक आईटीआई हब प्रदेश की औद्योगिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह निर्णय प्रदेश में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। भविष्य में राजस्थान के औद्योगिक व आर्थिक विकास की गति को और अधिक सशक्त करेगा।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

वेतन समस्या को लेकर कार्मिकों ने सौंपा ज्ञापन

चित्तौडगढ़ @ जागरूक जनता। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय के प्लेसमेंट कार्मिकों ने वेतन संबंधित अपनी समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। यूनियन की रेखा चेचाणी ने बताया कि वर्तमान में जिले में 11 कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय संचालित है, जिसमें विभिन्न पदों पर लगभग 66 कार्मिक नियुक्त है, जो पिछले कई समय से 24 घंटे अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। ऐसे कार्मिकों को अप्रेल 2024 के बाद से जिले को छोड़ राज्य के बाकी जिलों में तो बढ़ा हुआ वेतन दिया जा रहा है लेकिन चित्तौड़गढ़ में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं की गई है वहीं जिले के कार्मिकों को पिछले तीन माह से वेतन का भुगतान भी नहीं किया गया है, जिससे कार्मिकों में भारी रोष है। सभी कार्मिक आर्थिक, मानसिक, सामाजिक रूप से तनावग्रस्त है। शीघ्र ही संगठन की मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेकर राहत दिलाने की मांग की गई। इस दौरान अमृता शर्मा, बसंती धाकड़, भुवनेश्वरी मीणा, सुखिया कंवर, मीना जोशी, रघुवीर सिंह तंवर, लाभचन्द, प्रेम कुम्हार, सुनिता शर्मा, श्याम कंवर, रोड़ी बाई, कमला रावत, ललिता सरगरा, रतनलाल शर्मा, हनीफ मोहम्मद मंसूरी मौजूद रहे।

भगवती बाल गृह एवं वृद्धाश्रम का किया निरीक्षण

चित्तौडगढ़ @ जागरूक जनता। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार प्राधिकरण सचिव सुनील कुमार गोयल द्वारा मंगलवार को बस्सी स्थित भगवती बाल गृह एवं वृद्धाश्रम का निरीक्षण किया गया। सचिव द्वारा बालगृह में उपस्थित बालकों तथा वृद्धाश्रम में उपस्थित बुजुर्गों से दी जाने वाली सुविधाओं यथा खाना, साफ-सफाई, पानी के बारे में जानकारी ली। इस दौरान पैनल अधिवक्ता भारती गहलोत, संदीप सेठिया एवं बालगृह के कर्मचारी उपस्थित रहे।

आंगनवाडी में खिलौने और वस्त्र किये भेंट

चित्तौडगढ़ @ जागरूक जनता। विक्टर राउण्ड टेबल 361 द्वारा आंगनवाडी में खिलौने व वस्त्र वितरित किये गये। अध्यक्ष हिमांशु समदानी सीवीआरटी 361 ने बताया कि मंगलवार को गांधी नगर भीलो की झोपडिया स्थित आंगनवाडी केन्द्र पर 3 से 6 वर्ष के 15 बच्चों के शारीरिक, बौद्धिक, भाषा, संज्ञानात्मक, सामाजिक इत्यादि विकास हेतु विभिन्न प्रकार के खिलौने एवं प्री राईटिंग स्कील विकास हेतु खिलौने, स्टेशनरी किट एवं वस्त्र उपलब्ध कराये। सामग्री में पजल्स, वाहन के मॉडल, मेचिंग, सोटिंग से संबंधित विभिन्न प्रकार के खिलौने आदि तथा प्री राईटिंग स्कील हेतु कला किट एवं स्टेशनरी आंगनवाडी को भेंट किये गये, जिससे की प्रतिदिन आंगनवाडी में होने वाली रोचक गतिविधियों को सरल व सुगम तरीकें से सम्पादित कराई जा सकें। इस अवसर पर आंगनवाडी कार्यकर्ता ने अतिथियों का शाब्दीक स्वागत व आंगनवाडी कार्यक्रम की जानकारी दी। कार्यर्‍ म में राउण्ड टेबल 361 के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रोजेक्ट कन्वीनर दीपक पगारिया, आंगनवाडी कार्मिक, अभिभावक आदि उपस्थित रहें।

शहीद मेजर आलोक माथुर सेना मेडल की 22वीं पुण्यतिथि पर हुए आयोजन

जयपुर @ जागरूक जनता। शहीद मेजर आलोक माथुर सेना मेडल मेमोरियल समिति द्वारा शहीद मेजर आलोक माथुर की 22 वीं पुण्यतिथि 7 अक्टूबर पर निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया यह जानकारी देते हुए समिति के सचिव मुकेश दत्त माथुर ने बताया कि शेल्बी हॉस्पिटल के सहयोग से झोटवाड़ा में जागृति विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर के साथ श्रद्धांजलि सभा का आयोजन भी किया जिसमें कार्यकारी अध्यक्ष जयपाल सिंह मंडोता मंजू शर्मा संरक्षक पूर्व पार्षद, राजेंद्र शर्मा, देवकीनंदन यादव, अजय सैनी, व्यास सेवा संस्थान, विराज फाउंडेशन, एवं अन्नपूर्णा नारी संगठन के पदाधिकारी सहित समिति के सदस्यों ने शहीद मेजर आलोक माथुर के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी साथ ही इस अवसर पर शेल्बी हॉस्पिटल द्वारा चिकित्सा शिविर का आयोजन धीरज शर्मा के संयोजन में भी किया जिसमें डॉ मनीष वैष्णव हड्डी रोग विशेषज्ञ एवं डॉक्टर मोहम्मद सैफ अली खान नें मरीज को परामर्श दिया जिसमें 125 मरीजो ने लाभ उठाया ब्लड प्रेशर ब्लड शुगर ECG थायराइड की निशुल्क जांच की गई।

लंदन में देवनानी का अभिनन्दन

भारत और ब्रिटेन मिलकर विश्व शांति, पर्यावरण और आर्थिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने ब्रिटेन प्रवास के दौरान लंदन स्थित भारतीय दूतावास में आयोजित समारोह में ब्रिटेन में बसे भारतीय प्रवासी समुदाय से भावनात्मक और प्रेरणास्पद मुलाकात की। इस अवसर पर प्रवासी भारतीयों ने देवनानी का उत्साहपूर्ण अभिनंदन किया। स्पीकर देवनानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व मंच पर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। भारत विश्व में आर्थिक शक्ति के रूप में निरन्तर प्रगति कर रहा है। भारतीय संस्कारों और सनातन संस्कृति से भी भारत विश्व को दिशा दे रहा है। देवनानी ने ब्रिटेन में भारतीय दूतावास में प्रवासियों से कहा कि जीएसटी सुधार, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे कदमों से भारतीय अर्थव्यवस्था नई ऊंचाइयों पर पहुँच रही है। उन्होंने प्रवासी भारतीयों से कहा कि वे अपनी जन्मभूमि भारत से जुड़े रहें और भारत की प्रगति में अपने योगदान को निरंतर बनाए रखें।

भारतब्रिटेन संबंधों में नया स्वर्णिम अध्याय

देवनानी ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच संबंध ऐतिहासिक हैं और अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सम्बन्धों में प्रगाढता बढ रही है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन-भारत मुक्त व्यापार समझौता से दोनों देशों के बीच कम टैरिफ, विस्तृत बाजार पहुँच और मज़बूत आर्थिक साझेदारी का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। दोनों देशों के उद्यमियों, निवेशकों और युवाओं को नये अवसर भी मिल रहे है। देवनानी ने अपने दस मिनट के प्रेरक उद्बोधन में कहा कि आतंकवाद, पर्यावरण और वैश्विक स्थिरता जैसे विषयों पर भारत और ब्रिटेन मिलकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की भूमिका आज विश्व के हर महत्त्वपूर्ण निर्णय में निर्णायक बन रही है।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन राजस्थान प्रदेश जयपुर जिला मुख्य, महिला इकाई गठित

आए हम सब मिलकर करे एक संगठित अग्रवाल समाज का निर्माण-मित्तल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन राजस्थान प्रदेश जयपुर जिला की मुख्य, महिला जिला कार्यकारिणी का हुआ गठन अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल ने जयपुर जिला महिला कार्यकारिणी के अध्यक्ष पद पर पूजा पंसारी, जिला महामंत्री के पद पर नमीता अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष के पद पर ऋचा गुप्ता को मनोनीत किया है।

इस अवसर पर जिला अंतर्राष्ट्रीय पूजा पंसारी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने मुझे जयपुर जिला अध्यक्ष पद की जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है में उसे सच्ची लगन से अपने पद की जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए निभाऊंगी और ज्यादा से ज्यादा सामाजिक कार्यों को करते हुए सभी सदस्यों को साथ लेकर चलूंगी, जिला महामंत्री नमीता अग्रवाल ने कहा मैं पद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए कार्य करूंगी एवं उसे बेखुबी से निभाऊंगी एवं पूरी लगन से कार्य करूंगी।

जिला कोषाध्यक्ष के पद पर ऋचा गुप्ता ने कहा कि मैं अपने पद की गरिमा को ध्यानरखते हुए पूरी ईमानदारी से कार्य करूंगी। नव नियुक्त जयपुर जिला अध्यक्ष प्रकाश मित्तल ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार जी मित्तल द्वारा मुझे जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है उसके लिए आभार और मैं विश्वास दिलाता हूं कि मैं संगठन में समर्पित भावना के साथ संगठन को मजबूत करने में अपना पूर्ण योगदान करूंगा। इस मौके पर अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन राजस्थान प्रदेश के सभी सम्माननीय सदस्यों ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक शुभकामनाएं बधाई दी है व अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन राष्ट्रीय सलाहकार राधेश्याम अग्रवाल ने पदभार ग्रहण करते ही राजस्थान प्रदेश में जिला स्तर पर इकाइयों के गठन में अपनी सक्रियता भूमिका निभाई अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन परिवार आपका बहुत बहुत धन्यवाद आभार व्यक्त करता है, आप संगठन के प्रति समर्पित सच्ची निष्ठा सेवा भाव से आपने कठिन परिस्थितियों में राजस्थान की पवित्र भूमि जयपुर की पावन धरा पर स्टारडम रिसॉर्ट जयपुर 2023में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सभा "उड़ान 2023" को संपन्न कराने में संस्था का तन मन धन से सहयोग किया था अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन संस्थापक सचिव प्रदीप सराफ, संस्थापक कोषाध्यक्ष गणेश भरतीया, राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा सुशीला फरमानिया, राष्ट्रीय सलाहकार राधेश्याम अग्रवाल, राष्ट्रीय सचिव कृष्ण कन्हैया गोयल, राष्ट्रीय संयोजिका अग्र विभूति अलंकरण उमा बंसल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री पवन कुमार मित्तल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य ओम प्रकाश अग्रवाल एवं युवा मनीष अग्रवाल ने अध्यक्ष पद पर पूजा पंसारी व महामंत्री पद पर नमीता अग्रवाल व कोषाध्यक्ष पद पर ऋचा गुप्ता, प्रकाश मित्तल,जयपुर जिला इकाई अध्यक्ष, जयपुर जिला इकाई महामंत्री निर्मल गुप्ता,जयपुर जिला महिला कार्यकारिणी में अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन राजस्थान प्रदेश से जुड़ी संगठन के प्रति समर्पित, अनुभवी पांच संरक्षक सदस्य पद पर प्रियंका गोयल, रीता प्रताप, अनुपमा गुप्ता रेखा गोयल, किरण अग्रवाल के मनोनीत होने पर उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं बधाई दी हैं और अपने शुभकामना संदेश में कहा कि योग्य उम्मीदवारों को जिम्मेदारी मिलने से अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन राजस्थान प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम रौशन करेगा।

मौलिक और वैज्ञानिक सोच ही नवाचार की पहचान-आक्या

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौडगढ़। जिलास्तरीय इंस्पायर्ड अवार्ड प्रदर्शनी का मंगलवार को समापन हुआ। इस अवसर पर जिले के 18 बाल वैज्ञानिकों का राज्यस्तर के लिए चयन किया गया, जो अब राज्यस्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। मुख्य अतिथि पद से संबोधित करते हुए विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन सशक्त, ऊर्जावान और वैज्ञानिक सोच वाली पीढ़ी के निर्माण में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के मन में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और मौलिक विचारों का प्रस्फुटन भविष्य को आशान्वित करता है। आक्या ने विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्यालय विकास के प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाने पर कहा कि वे विद्यार्थी हित के कार्यों के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। समारोह को संबोधित करते हुए समाजसेवी अशोक चंडालिया ने कहा कि बच्चों की मौलिक प्रतिभाएं और उनका वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रेरणादायक है। एडीपीसी प्रमोद दशोरा ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सकारात्मक और नवाचारी सोच के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। दशोरा ने जानकारी दी कि इंस्पायर्ड अवार्ड नॉमिनेशन में जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर 17वां स्थान प्राप्त किया है, जो जिले के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों और शिक्षकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में अनिल ईनाणी, शैलेन्द्र झंवर, दीपक पटवारी, भोलाराम प्रजापत, ओमप्रकाश शर्मा, विश्वनाथ टांक, जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार शर्मा, सीबीईओ शंभुलाल सौमानी, राबाउमावि की प्रधानाचार्य चंद्रकांता राठौड़ सहित प्रतिभागी, विद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बाल वैज्ञानिकों ने मारी बाजी

प्रदर्शनी में प्रदर्शित मॉडलों की मौलिकता, उपयोगिता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर चयन किया गया। कुल 18 चयनित मॉडलों में से 12 मॉडल सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए, जिससे सरकारी विद्यालयों की नवाचारी क्षमता और वैज्ञानिक सोच स्पष्ट झलकी। राज्यस्तर के लिए झील मीणा, रामेश्वर लाल जाट, तन्मय शर्मा, कार्तिक बैरवा, भावेश सालवी, किरण शर्मा, स्नेहा कुमारी जाट, रिद्धिक राठौड़, सत्यम वर्मा, निरंजन जनवा, आशा सुथार, आजाद जाट, कोमल जाट, ममता गाडरी, मेहुल गायरी, अश्विन अहीर, आरव गोदारा एवं पिंकी गुर्जर का चयन हुआ है।

भारतीय संस्कृति से मनाया डॉ. सुनील का जन्मदिन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. सुनील गुप्ता (दृस्टि आई हॉस्पिटल, जयपुर) का 50वां जन्मदिन संत बाबा मेहरदास मन्दिर में जय हिन्द शुभकामना ग्रुप एवं मेहरदास ट्रस्ट ने हिंदू संस्कृति के अनुरूप मनाया। इस दौरान दीपदान, गायत्री मंत्र यज्ञ आहुतियां, महामृत्युंजय मंत्र उच्चारण से दीर्घायु आशीर्वाद, उपहार के साथ पुष्प वर्षा की गई। सभी का मुँह मीठा करवाया गया। कार्यक्रम के संयोजक लोकचंद हरिरामानी (मेहरदास मन्दिर ट्रस्ट अध्यक्ष) एवं लाल आर साधवानी (USA) मुख्य ट्रस्टी, मय परिवार ने बताया की हम ये कार्यक्रम आने वाली पीढ़ी में हमारी संस्कृति की जानकारी एवं महत्व को जन-जन तक पहुंचना मुख्य उद्देश्य है, कार्यक्रम मे, वरिष्ठ पत्रकार शिवदयाल मिश्रा, नगेन्द्र वशिष्ठ, गोपाल शर्मा (वरिष्ठ गऊ सेवक), नरेन्द्र गुप्ता, काशी नाथ दीक्षित (शिक्षा सागर), मोहन नामदेव, हरी शंकर गौड ने अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वस्थ दीर्घायु की कामना की।

न्यूयॉर्क में दिवाली एट टाइम्स स्क्वायर पर सम्मानित होंगी रूमा देवी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बाड़मेर। मात्र आठवीं तक स्कुल जा पाई राजस्थान की अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सामाजिक कार्यकर्ता और वैश्विक वक्ता रूमा देवी को इस वर्ष अमेरिका के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक आयोजन दिवाली एट टाइम्स स्क्वेयर में सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन 10 और 12 अक्टूबर को विश्व प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर, न्यूयॉर्क में होगा। न्यूयॉर्क से नीता भसीन ने बताया कि टाइम्स स्क्वायर पर दिवाली उत्सव की शुरुआत वर्ष 2013 में भारतीय संस्कृति और परंपराओं को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने के उद्देश्य से हुई थी। आज यह उत्सव भारत के बाहर सबसे बड़ा दिवाली समारोह माना जाता है। इसमें हर साल हजारों लोग शामिल होते हैं, जिनमें न्यूयॉर्क के मेयर, स्टेट गवर्नर, अमेरिकी अधिकारी, भारतीय राजनयिक और विभिन्न देशों के नागरिक उपस्थित रहते हैं। 2023 में न्यूयॉर्क सिटी प्रशासन द्वारा दिवाली को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाना इस उत्सव की वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा को और बढ़ाता है। इस आयोजन में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संगीत, नृत्य, दिवाली बाजार और रंगोली जैसे कार्यक्रमों के साथ-साथ विशेष एवार्ड समारोह और गाला डिनर भी होता है।

ललिता और धापू की प्रेरणादायक कहानी, दोनों किसान परिवार से

एक ही गांव की दो बेटियां, बगैर खेल मैदान के मनवा रही है लोहा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

रावतसर @ डालू जाखड़। जाखड़ा निवासी ललिता जाखड़ की कहानी भी कम नहीं है, किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाली ललिता की शुरुआत से ही रूचि खेल में थी, लेकिन आर्थिक तंगी और मैदानो का अभाव उसके हर समय आड़े आ रहा था लेकिन हौसला इतना मजबूत की वो हिम्मत नहीं हारी और पढ़ने वाली अन्य बालिकाओं और महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन चुकी है। ललिता ने साबित कर दिया कि हौसला और मेहनत से सबकुछ हासिल किया जा सकता है। दो बार कबड्डी में राष्ट्रीय स्तर पर और एक बार खेलों इंडिया यूथ गेम्स में राज्य का नेतृत्व कर चुकी हैं। ललिता ने रिपोर्टर डालू जाखड़ को बताया कि मैंने मेरे घर के पास प्राइमरी स्कूल से पढ़ाई शुरू की जिसमें पढ़ाई के साथ साथ मेरी खेल में भी रुचि थी तो स्कूल में विधार्थी मित्र शिक्षक प्रतापाराम सैंन थे उन्होंने हमें 2010 से कबड्डी खेल खिलाना शुरू किया उसी समय हम जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया,फिर 2011 में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया ,फिर मैंने छठी क्लास मेरे गांव राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जाखड़ा से शुरू कि उस समय हमारे विद्यालय में पीटीआई सर नहीं थे तो मैं 2012-2014 तक खेल नहीं पाई फिर विद्यालय में पीटीआई कौंशलाराम सऊ आए उन्होंने हमें फिर से खेल कि तरफ लेके गए और उन्होंने दिन रात एक करके प्रैक्टिस करवाई और हमने लगन के साथ प्रैक्टिस की और सन् 2015 में जिला स्तर पर पहली बार में ही हमनें प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी स्थान को बरकरार रखते हुए लगातार 2015 से 2018 तक हमारा विद्यालय प्रथम स्थान पर रहा मैं लगातार 4 बार राज्यस्तर पर खेली जिसमें 2016 में बाड़मेर टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्यस्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया इसी वर्ष में नेशनल खेलने गई जिसमें राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व किया जो नालगोंडा तमिलनाडु में आयोजित हुए फिर मेरा 2018 में नेशनल हुआ उसमें राजस्थान टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया जो हाटपिपलिया मध्य प्रदेश में आयोजित हुए फिर उसी वर्ष खेलो इण्डिया यूथ गैंम्स खेल के आई जिसमें चौंथा स्थान प्राप्त किया जो पूणे महाराष्ट्र आयोजित हुए फिर मेरा गैंम रूक गया फिर मै शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय जोधपुर से Dped की उसी के साथ मैंने Rajasthan Police bharti 2022(खेल कोटा सीधी भर्ती) में ट्रायल दी और मेरा अन्तिम रूप से राजस्थान पुलिस में चयन हुआ मैंने 2/02/2023 में पुलिस जॉइन किया अभी वर्तमान पोस्ट खेल कैंप 5th RAC घाटगेट जयपुर हैं यहां राजस्थान पुलिस टीम से खेल रहीं हुं मैं एक किसान परिवार से हुं इस संघर्ष में मेरे माता-पिता व भाईयों और पीटीआई गुरु कौंशलाराम जी सऊ ने मेरा पूरा सहयोग किया, जिनकी बदौलत मैंने गांव का नाम रोशन किया और आज नौकरी कर रही है। और राजस्थान पुलिस टीम से खेल रही हूं।

दो बच्चों की मां धापू ने भी जमाई धाक

तीन बार राष्ट्रीय स्तर पर और खेलों इंडिया में साइक्लिंग में फहरा चुकी है परचम

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बाड़मेर के गिड़ा तहसील के जाखड़ा निवासी चौबीस साल की धापू चौधरी दो बच्चों की मां होने के बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर तीन बार और एक बार खेलों इंडिया में परचम लहरा चुकी है। धापू की कहानी अन्य महिलाओं से अलग है।

धापू ने रिपोर्टर डालू जाखड़ को बताया कि मेने कक्षा 1 से 8 तक मेरे खेत में स्कूल है वहां है पढ़ाई की, वहां मुझे खेल में अच्छी रुचि थी,लेकिन कोई अच्छा गाइड करने वाला वहां कोई नहीं था और मेरे सीनियर स्कूल जाखड़ा घर के पास होते हुए मुझे 8 किमी दूर जाना पड़ा क्योंकि रिश्ता छोटी उम्र में नजदीक ही कर दिया गया, इसलिए पापा ने दूर स्कूल थी वहां पर 9 कक्षा से पढ़ाई शुरू करवाई , 2014 में घर से 8 km स्कूल जो खोखसर पश्चिम , सऊओ की बेरी ,वहां से 9 कक्षा में पढ़ाई शुरू करवाई उनके पिता ने, वहां अच्छा पीटीआई खेताराम लेगा, उन्होंने हममें खो- खो गेम्स खेलना शुरू करवाया,ओर वहां से जिलास्तर बाड़मेर खेलने गए प्रथम बार टीम लेके गए , वहां अच्छा प्रदर्शन किया हमारी टीम ने ओर तीसरा स्थान प्राप्त किया, ,2015 मैं कक्षा 10 में वहीं उसी स्कूल से दुबारा खो -खो में टीम लेके गए और जिला स्तर सिवाना खेलने गए , वहां मैं टीम कप्तान थी और जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया और राज्य स्तर पर चयन हुआ,उसी के कक्षा 10 पास होते ही ,मेरी शादी हो गई थी,और ससुराल भेज दिया गया ,लेकिन पापा जी ने बोला कि ससुराल तो भेज देंगे लेकिन पढ़ाई करवाना जरूरी है मेरी बेटी को,तो उन्होंने बोला कि पढ़ाई जारी रहेगी,लेकिन ससुराल भेजने के बाद वापस 2016 कक्षा 11 में पढ़ाई जारी थी ,वहां तीसरी बार खो खो खेलने गई और गालाबेरी बाड़मेर, वहां बहुत ही शानदार प्रदर्शन रहा ,जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया ,राज्य स्तर पर चयन हुआ,फिर उसी में राज्य स्तर भरतपुर खेलने गई बाड़मेर टीम ने बहुत ही अच्छा प्रयास किया और राजस्थान में तीसरा स्थान प्राप्त किया और नैशनल स्तर पर चयन हुआ ,2017 में वापस कक्षा 12 पढ़ाई जारी थी और वहां सऊओ की बेरी स्कूल से चौथी बार जिला स्तर पर खो खो खेलने गए, लीलसर बाड़मेर, वहां बहुत ही शानदार प्रदर्शन करके प्रथम स्थान प्राप्त किया ओर तीन लड़कियों को राज्य स्तर पर चयन हुआ, बाड़मेर जिले की टीम के साथ नेतृत्व किया राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त किया आगे राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ,लेकिन ससुराल वालों ने भेजा नहीं,की खेल ओर पढ़ाई में कुश नहीं है घर का कम काम करने वाला कोई नहीं है इसीलिए पढ़ाई नहीं करवानी है 12 वीं पास हो गई अब कही नौकरी नहीं है, फिर भी पापाजी ने बोला कोई बात नहीं आप छुपके से कंप्यूटर कोर्स कर लो ताकि कभी काम आएगा, फिर उन्हीं के साथ बीएसटीसी में फॉर्म भरवा दिया,लेकिन उसी समय नंबर आ गया बीएसटीसी में पर ससुराल वालों ने बोला कि साथ कोई नहीं जाने वाला है, कहीं नौकरी नहीं ,पर किसी ने साथ नहीं दिया। पापा और भाई फैमिली में कोई पढ़ा लिखा नहीं था इसीलिए किसी से स्पोर्ट नहीं किया, फिर वहीं काम था ससुराल जाना आना, 2018 में लड़की हो गई थी ,उसके बाद में चाचा के घर के मकान से गिर गई थी रात को ,काफी चोट आई और एक पैर टूट गया,उसके बाद काफी टाइम लगा ठीक होने मैं,पर हमेशा किसी लड़की को देखती तो पापा को बोलती ही मुझे भी कोटा ओपन से ग्रेजुएशन में पढ़ाई करवाओ,लेकिन ससुराल वालों की वजह से पापा भी नहीं पढ़ा पाए,उसके बाद 2021 में लड़का हुआ, और दो साल बाद,2023 में कोई ओपन साइक्लिंग टूर्नामेंट आया और वापस हमारे शारीरिक शिक्षक खेताराम,उन्होंने बताया कि अभी भी टाइम बहुत है पर वापस पढ़ाई शुरू करवा दो, तो पापा ने पति से बोला कि आप साथ दो बाकी किसी की मत सुनो, फिर उन्होंने हमारी बात मान कर,मुझे साइक्लिंग गेम्स में भेजा,जो में बाड़मेर जिले से बीकानेर खेलने गई वहां प्रथम बार 40 किमी रेसिंग हुई ,लेकिन अच्छी 8 वे स्थान पर रही,तो सर ने बोला कि कोई भी शुरुआत है अगली साल अच्छा करोगी आप,पर वहां सभी लड़कियों के पास बहुत महंगी 3,4 लाख साइकिल थी लेकिन मेरे पास 20 हजार की साइकिल थी ,2023 उसी समय जल्दी ग्रेजुएशन में एडमिशन दिला दिया आबू रोड़ कॉलेज में रेगुलर, वहां से मेने साइक्लिंग ओर मलखंभ दोनों गेम्स खेलना शुरू कर दिया रेगुलर और उन्हीं के साथ मेरे पति ने बहुत ज्यादा स्पोर्ट करना शुरू किया,क्योंकि उनको भरोसा हो गया कि ये अभी भी कुश हांचिल कर सकती ,पढ़ाई जारी रखना जरूरी है, फिर मेरे साथ बालोतरा रहने लगे और बाइक के साथ साथ साइक्लिंग करवाते थे,लेकिन लोगों के ताने बहुत सुनते थे ,की ये अब दो बच्चों की मां है, कुश नहीं कर सकती ये,पर मेरे पिता,भाई, और पति? ने सभी के ताने सुनने बंद कर दिए,ओर मेरे ऊपर भी भरोसा किया, वहां मेने कालेज में अच्छा प्रदर्शन किया ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय स्तर साइक्लिंग रोड़ ओर ट्रैक दोनों में खेलने गई। , राजस्थान टीम का नेतृत्व किया जो कि पंजाब अमृतसर में हुआ था ,उसी से साथ 2024 में मलखंभ गेम्स जो राष्ट्रीय स्तर ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी जयपुर में ही हुआ था,वहां भी अच्छा प्रदर्शन किया, BA ll भी वहां से पढ़ाई जारी थी , उसके बाद खेलो इंडिया में जयपुर खेलने गई ,वहां नैशनल दिल्ली खेलने गई ट्रैक साइक्लिंग में, उसी के साथ 2025 में ओपन खेलो इंडिया दुबार ट्रायल थी जुगरात बड़ोदरा में,वहां भी देने देने गई थी,उसके पुणे महाराष्ट्र में भी देने गई थीं, वहां मेरा बहुत ही अच्छा प्रदर्शन रहा ओर ब्रोंज मेडल प्राप्त किया। वापस साइक्लिंग गेम्स की एक साल में 3,4 ट्रायल होती है उसके बाद MTB साइक्लिंग बालोतरा जिले से बीकानेर ट्रायल देने गए, वहां मेरा बहुत ही शानदार प्रदर्शन था में प्रथम आई राज्य स्तर पर दो मेडल लेके आई ,वहां से राष्ट्रीय स्तर चयन हुआ हरियाणा पंचकूला हुआ लेकिन वापस घर आई उसी दिन ,दिन में साइकिल से गांव में गिरी ओर पैर फैक्चर हो गया था, किसी देखा रोड़ पर तो बोला कि कोई लड़की गिरी हुई है,बहुत लगी है गाड़ी भेजो,मेरे पड़ोसी गांव हीरा की ढाणी से गाड़ी आई जो सीधा जोधपुर लेके गए,वहां भर्ती करवा दिया,लेकिन भाई ने बोला कि किसी को बताना मत लगी है,नहीं तो साइक्लिंग गेम्स करने नहीं देंगे,फिर मेरे पतिने बोला कॉल करके की कोई, हिम्मत मत हारो जल्दी ठीक हो जाओगी,उसमें बाद मेने गांव में हरियाणा नहीं जा पाई, और ठीक होने के बाद वापस साइक्लिंग गेम्स शुरू किया , और दिल्ली इंडिया टीम में शामिल होने के लिए ट्रायल देने गई वहां मेरा वूमेन एलिट ग्रुप में 28 लड़कियों में से 11 नंबर आया, पैर ठीक नहीं था, और अच्छी महंगी साइकिल नहीं थी मेरे पास में, जो 7,8 लाख की साइकिल आती है,अभी मेरे पास 2 लाख की साइकिल है।